www.youtube.com/@TarunmitraGroup

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तरुणमित्र

श्रम ही आधार, खबरों से सरोकार

भोपाल
वर्ष: 6 अंक 141
शुक्रवार 10 जुलाई, 2026

तापमान
अधिकतम 33°C न्यूनतम 27°C

मूल्य 2 रुपए पृष्ठ-8

मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश एवं महाराष्ट्र से प्रकाशित

www.tarunmitra.in

ईरान के पांच प्रांतों में अमेरिका का हमला, 14 की मौत, 78 घायल

तेहरान, 09 जुलाई। बुधवार से शुरू हुए अमेरिका के हमलों में पांच प्रांतों में 14 लोगों की मौत हो गई है और 78 लोग घायल हुए हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास बसे ईरान के तटीय शहरों बुशहर, चाबहार, बंदर अब्बास और सिरिक में गुरुवार को जोरदार धमाके हुए हैं। अमेरिका ने लगातार दूसरी रात ईरानी शहरों पर बमबारी की। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि उसने जवाबी हमलों में बहरीन, कुवैत और कतर में अमेरिकी ठिकानों और रणनीतिक केंद्रों पर हमला किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि यह हमले होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर ईरान के कथित हमलों के बदले में किए गए। कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जसीम अल थानी ने ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची के साथ फोन पर बातचीत में होर्मुज जलडमरूमध्य में कमर्शियल जहाजों को निशाना बनाकर किए गए हमलों की निंदा की है। उन्होंने कहा कि ऐसी हरकतें भरोसे को कमजोर करती हैं।

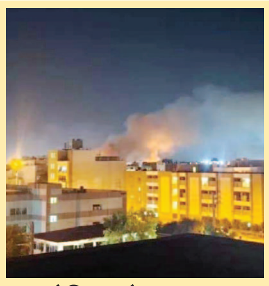

- अमेरिका ने लगातार दूसरी रात की बमबारी, तेहरान-मशहद रेलवे लाइन क्षतिग्रस्त

कतर के प्रधानमंत्री ने अमेरिका-ईरान के बीच हुए अंतरिम समझौते के तहत तय की गई शर्तों को लागू करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने तनाव को कम करने और एक व्यापक समझौते तक पहुंचने के सभी प्रयासों के लिए कतर के समर्थन को भी दोहराया।

यूरेनियम समझौते से भारत-ऑस्ट्रेलिया रिश्तों को नई रफ्तार

मोदी-अल्बनीज शिखर वार्ता: रक्षा, ऊर्जा, व्यापार समेत 18 समझौतों से साझेदारी मजबूत

मेलबर्न/नई दिल्ली, 09 जुलाई। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाई देते हुए रक्षा, परमाणु ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), शिक्षा, कौशल विकास, खनन, विज्ञान, हरित ऊर्जा और सांस्कृतिक विरासत समेत विभिन्न क्षेत्रों में 18 महत्वपूर्ण समझौतों और पहलों पर सहमति बनाई।

मेलबर्न में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के बीच तीसरे वार्षिक शिखर सम्मेलन के बाद दोनों देशों ने आर्थिक, सामरिक और तकनीकी सहयोग को अगले स्तर तक ले जाने का रोडमैप पेश किया।

वार्ता की सबसे बड़ी उपलब्धि असैन्य परमाणु सहयोग के तहत ऑस्ट्रेलिया से भारत को यूरेनियम आपूर्ति का रास्ता खुलना रही, जिससे देश की ऊर्जा सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा कार्यक्रमों को नई मजबूती मिलेगी। संयुक्त प्रेस वार्ता में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया दो जीवंत

समझौता

- ऑस्ट्रेलिया से यूरेनियम आपूर्ति का रास्ता खुला, ऊर्जा सुरक्षा को मिलेगा बल
- स्वच्छ ऊर्जा, एआई और महत्वपूर्ण खनिजों में बढ़ेगा सहयोग
- हिंद-प्रशांत में समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी सहयोग पर साझा संकल्प

लोकतंत्र, बहुसांस्कृतिक समाज और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की महत्वपूर्ण समुद्री शक्तियां हैं। दोनों देशों के साझा लोकतांत्रिक मूल्य, आपसी विश्वास और समान वैश्विक दृष्टिकोण ने रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि उनके व्यक्तिगत प्रयासों से

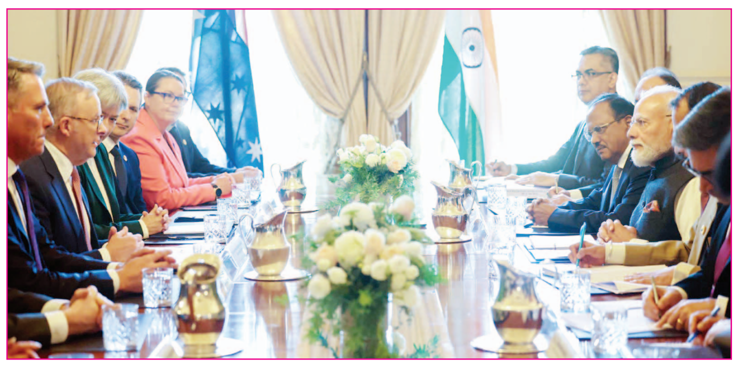

द्विपक्षीय संबंधों को नई गति मिली है।

दोनों नेताओं ने वर्ष 2022 में हुए आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते (ईसीटीए) के सकारात्मक परिणामों की समीक्षा करते हुए व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) को जल्द अंतिम रूप देने का निर्णय लिया। दोनों देशों का मानना है कि इससे व्यापार, निवेश और औद्योगिक सहयोग को व्यापक विस्तार मिलेगा। इसी दौरान ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े पेंशन फंड ऑस्ट्रेलियनसुपर ने भारत के नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एनआईआईएफ) में 500 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर के अतिरिक्त निवेश की घोषणा की। इसके बाद भारत में उसका कुल निवेश बढ़कर 3.3 बिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर हो जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे भारत की आर्थिक प्रगति और सुधारों पर वैश्विक निवेशकों के बढ़ते भरोसे का प्रमाण बताया।

गगनयान को ऑस्ट्रेलिया से मिलेगा अंतरिक्ष ट्रैकिंग का सहारा

मेलबर्न। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष सहयोग को नई दिशा देते हुए कई अहम घोषणाएं की हैं। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों नरेंद्र मोदी और एंथनी अल्बनीज की मौजूदगी में तय हुआ कि ऑस्ट्रेलिया के कोकोस (कीलिंग) द्वीप समूह में भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मानव अंतरिक्ष मिशन के लिए अस्थायी स्पेस ट्रैकिंग टर्मिनल स्थापित किया जाएगा। यह केंद्र गगनयान के शुरुआती चार मिशनों की निगरानी और ट्रैकिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। दोनों देशों ने ऑस्ट्रेलिया-कनाडा-भारत प्रौद्योगिकी एवं नवाचार (एसीआईटीआई) साझेदारी के तहत त्रिपक्षीय तकनीकी सहयोग बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन का भी स्वागत किया। इसका उद्देश्य उभरती और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना है।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र में फिर डोली धरती, कई जिलों में झटके

मुंबई, 09 जुलाई। महाराष्ट्र के लातूर, हिंगोली, नांदेड़ और परभणी जिलों में गुरुवार तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में कुछ देर के लिए दहशत फैल गई। हालांकि राहत की बात यह रही कि कहीं से भी जान-माल के नुकसान या किसी बड़े हादसे की सूचना नहीं मिली है। जिला आपातकालीन संचालन केंद्र के अनुसार, पहला झटका रात 1:37 बजे, दूसरा 2:15 बजे और तीसरा 2:17 बजे महसूस किया गया। इनकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर क्रमशः 4.6, 3.6 और 3.9 दर्ज की गई।

न्यूयॉर्क में आईएनएस सुदर्शिनी ने लहराया भारत का नौसैनिक गौरव

नई दिल्ली, 09 जुलाई। अमेरिका की आजादी का जश्न मनाने के लिए 250वीं सालगिरह के मौके पर इंटरनेशनल नेवल रिव्यू में इंडियन नेवल सेल ट्रेनिंग शिप (एसटीएस) आईएनएस सुदर्शिनी ने भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इस एसटीएस ने महासागरीय पार अभियान के तहत न्यूयॉर्क का पोर्ट कॉल पूरा करके भारत की समृद्ध समुद्री विरासत को दिखाया है। साथ ही भारत और अमेरिका के बीच सामरिक और सांस्कृतिक साझेदारी को और मजबूत किया है।

बेकाबू स्कॉर्पियो ने तीन मजदूरों की जान ली

ग्रेटर नोएडा, 09 जुलाई। जेवर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर से तीन प्रवासी मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा बुधवार देर रात जेवर-खुर्जा मार्ग पर नीमका गांव के सामने हुआ, जहां सड़क किनारे पैदल जा रहे तीन युवकों को तेज गति से आ रही स्कॉर्पियो ने कुचल दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि चालक वाहन सहित फरार हो गया। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान बिहार के अररिया जिले के रहने वाले करन (22), विश्वजीत (24) और मिथुन (25) के रूप में हुई है। तीनों धान की रोपाई का कार्य करने के लिए जेवर क्षेत्र आए थे और घटना के समय पैदल जा रहे थे।

कर्नाटक सड़क हादसे में छह मौतें, प्रधानमंत्री मोदी ने जताया शोक

यल्लापुर/नई दिल्ली, 09 जुलाई। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के यल्लापुर तालुक स्थित अरबैल घाट के बलगार क्षेत्र में गुरुवार तड़के एक क्रूजर वाहन और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के समय धारवाड़ के पर्यटक धर्मस्थल और चिक्कमगलूर की यात्रा पर जा रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान बसवराज (48), अभिषेक ईश्वर (28), अक्षय (26), अभिषेक (26) और संजीव (संजय) अंगडी के रूप में हुई है।

घायलों में शिवराज दुर्गप्पा मडिवाल (22), मंजूनाथ अशोक चुलकी (32), सचिन तथा चेन्नबसैया बसलिंगैया संपगांव (28) शामिल हैं। सभी का अस्पताल के आईसीयू में उपचार चल रहा है।

गलवान के बाद सरकार ने चीन के सामने समर्पण किया: खरगे

नई दिल्ली, 09 जुलाई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर गलवान संघर्ष के बाद चीन के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगाया।

उन्होंने दावा किया कि छह वर्ष बाद भी भारत की अर्थव्यवस्था के कई रणनीतिक क्षेत्रों में चीन पर निर्भरता लगातार बढ़ रही है, जिससे राष्ट्रीय हित प्रभावित हो रहे हैं। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी बयान में खरगे ने कहा कि गलवान में 20 भारतीय सैनिकों के बलिदान के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन को 'क्लीन चिट' दे दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया, लेकिन सरकार भारत के हितों की रक्षा करने में विफल रही।

खरगे ने कहा कि वर्ष 2025-26 तक चीन से भारत का आयात गलवान के बाद 101.81 प्रतिशत बढ़ गया, जबकि व्यापार घाटा बढ़कर 112.1 अरब डॉलर पहुंच गया। उनके अनुसार, भारत के एंटीबायोटिक आयात का 86 प्रतिशत तथा एपीआई, बल्क ड्रग और ड्रग इंटरमीडिएट का लगभग 74 प्रतिशत हिस्सा चीन से आता है। उन्होंने दावा किया कि इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में 66 प्रतिशत कंपोनेंट और करीब 75 प्रतिशत लिथियम-आयन बैटरियां चीन से आयात होती हैं।

केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने मप्र के रतलाम जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे का किया निरीक्षण

रतलाम/भोपाल, 09 जुलाई। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी गुरुवार सुबह मध्य प्रदेश के रतलाम पहुंचे और यहां से गुजर रहे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का निरीक्षण किया। इस दौरान रतलाम कलेक्टर मिशा सिंह ने उन्हें एक्सप्रेस-वे के निर्माण कार्यों की जानकारी दी।

दरअसल, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का निरीक्षण करने के लिए केन्द्रीय मंत्री गडकरी बुधवार सुबह दिल्ली से रवाना हुए थे और राजस्थान के बूंदी-कोटा जिले से होते हुए देर रात मंदसौर जिले के गरोठ पहुंचे। उन्होंने यहां रूपरा सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम किया।

इसके बाद केन्द्रीय मंत्री गडकरी गुरुवार सुबह वह 8.15 बजे गरोठ से 19 गाड़ियों के काफिले के साथ रवाना हुए और दिल्ली-मुंबई 8-लेन एक्सप्रेसवे का निरीक्षण करते हुए सुबह 10.25 बजे वह रतलाम जिले की सीमा पर पहुंचे। रतलाम कलेक्टर मिशा सिंह, एसपी अमित कुमार समेत पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी पहले से वहां पहुंच गए थे।

केन्द्रीय मंत्री गडकरी का काफिला करीब पांच मिनट के लिए रतलाम जिले की सीमा पर रुका। गडकरी अपनी कार से नीचे उतरे। इस दौरान मंत्री गडगरी ने 8-लेन एक्सप्रेसवे का जायजा लिया।

उन्होंने पैदल चलते हुए कलेक्टर मिशा सिंह से जिले से गुजर रहे एक्सप्रेस वे के बारे में जानकारी ली और सड़क पर जो पैच वर्क के काम चल रहे हैं, उनको शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए।

इसके बाद वह अपने काफिले के साथ रवाना हो गए।केन्द्रीय मंत्री गडकरी के दौरे को देखते हुए एक्सप्रेस-वे पर पुलिस व प्रशासन की व्यवस्था चाक चौबंद थी। जिले की सीमा पर पूरा एक्सप्रेस-वे बंद कर दिया गया था और जगह-जगह पुलिस बल तैनात कर रखा था।

तृणमूल के फ्रीज खातों के संचालन को हाईकोर्ट की मंजूरी

कोलकाता, 09 जुलाई (हि.स.)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस के कालीघाट गुट के तीन फ्रीज किए गए बैंक खातों से जुड़े मामले में गुरुवार को अंतरिम राहत देते हुए एक विशेष अधिकारी नियुक्त किया है। अदालत ने निर्देश दिया कि फिलहाल इन खातों का संचालन विशेष अधिकारी करेंगे। साथ ही, पार्टी को दैनिक आवश्यक कार्यों और कानूनी खर्चों के लिए इन खातों से धनराशि उपयोग करने की अनुमति दी गई है, लेकिन यह प्रक्रिया विशेष अधिकारी की निगरानी में होगी। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य की एकल पीठ ने सेवानिवृत्त न्यायाधीश सुभ्रत तालुकदार को विशेष अधिकारी नियुक्त किया। अदालत के अंतरिम आदेश के अनुसार, 30 सितंबर तक वही तीनों बैंक खातों का संचालन करेंगे।

अवैध निर्माण पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली, 09 जुलाई। देशभर में अवैध निर्माण और नगर निकायों की कथित मिलीभगत को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि अदालत के आदेशों का पालन नहीं होना बेहद गंभीर मामला है। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति शील नागू की पीठ ने विशेष रूप से दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि अवैध निर्माण रोकने के बजाय केवल नोटिस जारी कर औपचारिकता निभाई गई, जबकि मौके पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि 20 मई को दिल्ली के लाजपत नगर और सरोजनी नगर में अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई

फटकार

- नगर निकायों को लगाई फटकार
- दिल्ली, लखनऊ और गुरुग्राम समेत कई निगमों-निकायों से मांगा जवाब, आईआईटी टीम करेगी निरीक्षण

के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद निर्माण कार्य जारी रहा। पीठ ने टिप्पणी की कि हाईकोर्ट के रोक संबंधी आदेश के बाद भी यदि अवैध निर्माण होता है तो यह अधिकारियों की गंभीर लापरवाही और कथित मिलीभगत को दर्शाता है। अदालत ने कहा कि यदि न्यायालय के आदेशों की भी अनदेखी होगी तो आम नागरिकों को न्याय कैसे मिलेगा।

कोर्ट ने मालवीय नगर में आग की घटना और भवन दुर्घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे हादसे प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम हैं। वास्तविक स्थिति का आकलन करने के लिए आईआईटी दिल्ली के दो वरिष्ठ सिविल इंजीनियरिंग प्रोफेसरों और दो ड्राफ्ट्समैन की संयुक्त टीम गठित करने का निर्देश दिया गया।

मानसून का कहर, उत्तर प्रदेश के 27 जिलों में रेड अलर्ट जारी

लखनऊ, 09 जुलाई। उत्तर प्रदेश में मानसून ने गुरुवार को विकराल रूप धारण कर लिया। लगातार हो रही भारी बारिश के चलते प्रदेश के 27 जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है, जबकि सभी 75 जिलों में किसी न किसी स्तर की मौसम चेतावनी लागू है। पिछले 24 घंटों में बारिश और उससे जुड़े हादसों में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि सहारनपुर में उफनती नदी में बह रहे तीन लोगों को ग्रामीणों ने सुरक्षित बचा लिया। नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, बुलंदशहर, बागपत, हाथरस और मथुरा समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई शहरों में जलभराव से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा। नोएडा और गाजियाबाद की प्रमुख सड़कों पर एक से दो फीट तक पानी भर गया, जबकि गाजियाबाद में जलभराव के बीच एक सड़क धंसने से कार गड्ढे में जा गिरी। बुलंदशहर के बाजार और रिहायशी इलाके जलमग्न हो गए तथा बागपत में दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर पानी भरने से लंबा जाम लग गया। सहारनपुर की सहंश्रा नदी में तेज बहाव के दौरान मोटरसाइकिल सहित बह रहे तीन लोगों को ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

खड़े ट्रक में घुसी कार, चार की मौत

उमरिया, 09 जुलाई (हि.स.)। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर ग्राम भरौला सिद्धबाबा धाम के पास गुरुवार तड़के एक तेज रफ्तार अर्टिगा कार सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। इस हादसे में कार सवार एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई जबकि एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गई।

हादसा कोतवाली थाना क्षेत्र की सिविल लाइन चौकी अंतर्गत भरौला स्थित सिद्धबाबा मंदिर के पास गुरुवार तड़के करीब 3:30 से 4 बजे के बीच हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग बुरी तरह फंस गए। पुलिस और राहत-बचाव दल ने घंटों की मशक्कत के बाद घायल और शवों को बाहर निकाला।

मृतकों में एक मासूम बच्चा, दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं।पुलिस के अनुसार अर्टिगा कार एमपी-18-जेई-9677 में सवार परिवार अनूपपुर जिले के राजेंद्रग्राम थाना क्षेत्र के लील्हाटोला गांव से चित्रकूट जा रहा था। परिवार अपनी बेटी को परीक्षा दिलाने के लिए रवाना हुआ था, लेकिन रास्ते में यह दर्दनाक हादसा हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस, सिविल लाइन चौकी का अमला और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। क्षतिग्रस्त कार में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए काफी देर तक रेस्क्यू अभियान चलाना पड़ा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक शर्मा ने बताया कि हादसे में ग्राम सरपंच कुलपत सिंह (37), उनकी हेड कांस्टेबल पत्नी सविता सिंह मार्को (32), प्रियंका सिंह और तीन वर्षीय रुद्र प्रताप की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में 22 वर्षीय खुशबू मार्को गंभीर रूप से घायल हुई है।

अस्पताल पहुंचने पर उसकी सांसें थम गई थीं, लेकिन डॉक्टरों ने तत्काल सीपीआर देकर उसे पुनर्जीवित किया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर किया गया है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे में कार चालक ददन सिंह सुरक्षित बच गया, लेकिन वह गहरे सदमे में है।

उत्तरी सीमाओं पर वायुसेना प्रमुख ने परखीं सैन्य तैयारियां, बढ़ाया हौसला

नई दिल्ली, 09 जुलाई। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने उत्तरी क्षेत्र के अग्रिम सैन्य ठिकानों का दौरा कर परिचालन तैयारियों की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के रणनीतिक क्षेत्रों में तैनात वायुसेना इकाइयों की युद्धक क्षमता, त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली और मिशन तैयारियों का आकलन किया। इस दौरान उन्होंने विषम परिस्थितियों में सीमाओं की सुरक्षा कर रहे वायु योद्धाओं से मुलाकात कर उनके साहस, पेशेवर दक्षता और समर्पण की सराहना की।

दौरे के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने वायुसेना प्रमुख को क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति, तैनाती और मौजूदा परिचालन व्यवस्थाओं की जानकारी दी।

80 गांवों पर बसेगा न्यू नोएडा, एक्सप्रेसवे और एयरपोर्ट से मिलेगी सीधी कनेक्टिविटी

एनसीआर को मिलेगा नया शहर, बदलेगी विकास की तस्वीर

प्रतिभा सिन्हा

नोएडा, 09 जुलाई। दिल्ली-एनसीआर के तेजी से बढ़ते शहरी विस्तार को नया आयाम देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने बहुप्रतीक्षित 'न्यू नोएडा' परियोजना को आगे बढ़ा दिया है। गौतमबुद्ध नगर और बुलंदशहर के करीब 80 गांवों को मिलाकर विकसित होने वाला यह नया शहर भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य केवल एक नई टाउनशिप बसाना नहीं, बल्कि ऐसा आधुनिक औद्योगिक, आवासीय और व्यावसायिक केंद्र विकसित करना है जो आने वाले दशकों तक एनसीआर की बढ़ती आबादी और निवेश की मांग को पूरा कर सके। दिल्ली-एनसीआर मास्टर प्लान-2041 के तहत प्रस्तावित इस परियोजना का दायरा लगभग 210 वर्ग किलोमीटर होगा। योजना के पहले चरण में

तैयारी

- 210 वर्ग किलोमीटर में फैलेगी टाउनशिप, पहले चरण में 37 गांवों में भूमि अधिग्रहण की तैयारी

गंगा, यमुना और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा शहर, निवेश और रोजगार को मिलेगा बड़ा आधार

37 गांवों की भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी है। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से बाकी गांवों को भी विकास योजना में शामिल किया जाएगा। इस परियोजना में उद्योग, आवास, संस्थागत क्षेत्र, हरित क्षेत्र और आधुनिक नागरिक सुविधाओं का संतुलित विकास प्रस्तावित है। न्यू नोएडा की सबसे बड़ी ताकत इसकी बहुस्तरीय कनेक्टिविटी होगी। नोएडा प्राधिकरण लगभग 20 किलोमीटर लंबी लिंक रोड विकसित करने की योजना पर काम कर रहा है, जिससे यह शहर बुलंदशहर के रास्ते सीधे गंगा एक्सप्रेसवे से जुड़ सकेगा। साथ ही इसका संपर्क ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे और यमुना एक्सप्रेसवे से भी होगा। इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दिल्ली और आसपास के राज्यों के बीच आवागमन पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान होने की उम्मीद है।

परियोजना का एक महत्वपूर्ण पहलू नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर से सीधी कनेक्टिविटी भी है। एयरपोर्ट चालू होने के बाद न्यू नोएडा लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग, निर्यात और औद्योगिक निवेश का बड़ा केंद्र बन सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि एयरपोर्ट और एक्सप्रेसवे नेटवर्क के कारण यहां देश-विदेश की कंपनियों का निवेश बढ़ेगा और बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

कर्नाटक में लोकायुक्त के छापे, अफसरों की बेहिसाब दौलत का खुलासा

बेंगलुरु, 09 जुलाई। कर्नाटक में आय से अधिक संपत्ति के मामलों पर लोकायुक्त ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए राज्य के सात शहरों में 10 सरकारी अधिकारियों के ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। इस दौरान बेंगलुरु एपीएमसी में डिप्टी डायरेक्टर (प्रशासन) पुष्पा डी.आर. के आवास से भारी मात्रा में सोने के आभूषण और चांदी की वस्तुएं बरामद हुईं। बरामद संपत्ति का मूल्यांकन कराया जा रहा है।

लोकायुक्त को लंबे समय से कुछ अधिकारियों द्वारा घोषित आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायतें मिल रही थीं। प्रारंभिक जांच के बाद विशेष टीमों ने बेंगलुरु, रायचूर, चित्रदुर्ग, तुमकुरु, शिवमोगा और कलबुर्गी समेत सात शहरों में एक साथ छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान घरों, कार्यालयों और अन्य परिसरों की गहन तलाशी ली गई।

जांच के दायरे में कृष्णा भायर जल निगम लिमिटेड के कार्यकारी अभियंता बसनगौड पाटिल, लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता नरेंद्र कुमार, कृषि अभियांत्रिकी विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर शंकर एम., केआरआईडीएल के अधीक्षण अभियंता प्रवीण बी. श्रीहरि, वाटरशेड विकास विभाग के रेंज फॉरेस्ट अधिकारी दुग्गप्पा बी.एच., लघु सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता मधुसूदन एन., वन अनुसंधान प्रभाग के सहायक संरक्षक किरण अंगडी, पंचायत विकास अधिकारी थिम्मे गौड़ा तथा जीआईएससीसीओएम के सहायक कार्यकारी अभियंता अमृत राव भी शामिल हैं।

संभागायुक्त व आईजी ने लिया मानौरा मेले की तैयारियों का जायजा

रथ मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, विद्युत वायरिंग और पार्किंग प्रबंधों की बारीकी से समीक्षा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

विदिशा। मध्य प्रदेश के विदिशा जिले में आगामी मानौरा मेला के सफल एवं सुरक्षित आयोजन को लेकर भोपाल संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा तथा पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) रुचि वर्धन मिश्र ने गुरुवार को संयुक्त रूप से मेला क्षेत्र का भ्रमण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने रथ मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात, पार्किंग, विद्युत आपूर्ति सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को समय रहते सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने बताया कि 15 से 17 जुलाई तक आयोजित होने वाले उक्त मेला के लिए आवश्यक तमाम प्रबंध सुनिश्चित किए जा चुके हैं। संभागायुक्त शर्मा ने अधिकारियों से कहा कि रथ यात्रा के निर्धारित मार्ग पर किसी भी प्रकार का अवरोध नहीं होना चाहिए। उन्होंने मार्ग का सूक्ष्म निरीक्षण करते हुए ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को संपूर्ण रूट की विद्युत वायरिंग की तकनीकी जांच कराने तथा आवश्यकता पड़ने पर उसे सुरक्षित एवं व्यवस्थित करने के निर्देश दिए, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्देशित

किया कि रथ मार्ग के दोनों ओर स्थित निमार्णाधीन भवनों एवं कच्चे मकानों की छतों पर किसी भी दर्शक को चढ़ने न दिया जाए। इसके लिए पुलिस एवं प्रशासनिक अमले द्वारा सतत निगरानी रखी जाए तथा संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात किए जाएं। पुलिस महानिरीक्षक रुचि वर्धन मिश्र ने मेला अवधि के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से कहा कि भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था, पार्किंग स्थलों का संचालन, आपातकालीन निकास मार्ग तथा सुरक्षा व्यवस्था की समुचित योजना बनाकर उसका प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। भ्रमण के दौरान संभागायुक्त एवं आईजी ने सबसे पहले मानौरा स्थित श्री भगवान जगदीश स्वामी मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा मेले के सफल, शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न आयोजन की कामना की।

निरीक्षण भ्रमण के दौरान कलेक्टर अंशुल गुप्ता, पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चौबे सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने मेला आयोजन से जुड़ी तैयारियों की जानकारी दी, जिस पर संभागायुक्त एवं आईजी ने आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना है, जिसके लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। भोपाल संभाग आयुक्त कर्मवीर शर्मा एवं कलेक्टर अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित यशोदा एडॉप्शन सेंटर, विदिशा में निवासरत एक शिशु को केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के अनुरूप गुरुवार को महाराष्ट्र के एक योग्य एवं पात्र दत्तक परिवार को विधिवत सुपुर्द किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीता कांसवा ने बताया कि दत्तक ग्रहण की संपूर्ण प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता एवं वैधानिक प्रावधानों का पालन करते हुए संपन्न की गई। आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन, चिकित्सकीय परीक्षण तथा अन्य सभी कानूनी औपचारिकताओं के उपरांत शिशु को उसके नए परिवार को सौंपा गया। उन्होंने बताया कि प्रत्येक बच्चे को परिवार का स्नेह, सुरक्षा एवं बेहतर भविष्य प्राप्त होना उसका अधिकार है। दत्तक ग्रहण के माध्यम से निराश्रित एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों को प्रेमपूर्ण पारिवारिक वातावरण उपलब्ध कराया जाता है, जिससे उनके जीवन को नई दिशा और बेहतर अवसर मिलते हैं।

इस अवसर पर जिला चिकित्सालय विदिशा के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. बृजेंद्र छारी, महिला एवं बाल विकास विभाग से सरिता शुक्ला एवं संतोष रघुवंशी तथा विदिशा सोशल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन द्वारा संचालित यशोदा एडॉप्शन सेंटर के सामाजिक कार्यकर्ता श्री शुभम गुप्ता उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि विदिशा जिले से अब तक 32 बच्चों का सफलतापूर्वक दत्तक ग्रहण कराया जा चुका है, जिनमें 5 बच्चों को विदेशी परिवारों तथा 27 बच्चों को भारतीय परिवारों ने गोद लिया है।

रेल्वे अंडरब्रिज में कार में लगी भीषण आग, आरपीएफ सहित एजेंसियां पहुंची

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर में मदन महल रेलवे स्टेशन के पास स्थित अंडरब्रिज में गुरुवार को एक इलेक्ट्रिक कार में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया और तेज लपटों के साथ कई धमाकों की आवाजें सुनाई देने लगीं।

घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और अंडरब्रिज से गुजर रहे वाहन चालकों ने अपने वाहन सुरक्षित दूरी पर रोक दिए। कार में सवार सभी लोगों ने समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि, आग इतनी विकराल थी कि कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई।

सूचना मिलते ही नगर निगम की दमकल टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद पानी के टैंकर की मदद से आग पर काबू पाया। घटना के चलते कुछ समय तक अंडरब्रिज में यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर

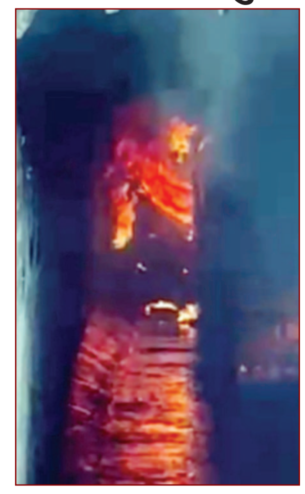

मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्रारंभिक तौर पर आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। आशंका जताई जा रही है कि घटना तकनीकी खराबी या शॉर्ट सर्किट के कारण हुई हो सकती है, हालांकि वास्तविक वजह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी। इस घटना के बाद एक बार फिर इलेक्ट्रिक वाहनों की सुरक्षा को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

जैन मंदिर जा रही महिला से बाइक सवार बदमाशों ने चेन लूटी

पीछा करने वालों को हथियार दिखाकर भागे बदमाश दो थाना क्षेत्रों की पुलिस जांच में जुटी

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के राजमोहल्ला क्षेत्र में गुरुवार सुबह जैन मंदिर दर्शन के लिए जा रही एक महिला से बाइक सवार तीन बदमाशों ने सोने की चेन लूट ली। वारदात के बाद स्थानीय लोगों ने आरोपियों का पीछा किया, लेकिन बदमाशों ने हथियार दिखाकर उन्हें धमकाया और एमओजी लाइन की ओर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

मल्हारगंज थाना पुलिस के अनुसार फरियादी इंदिरा जैन, राजमोहल्ला क्षेत्र की निवासी हैं। गुरुवार सुबह करीब 7:30 बजे वह वैष्णव स्कूल के सामने स्थित जैन मंदिर में दर्शन के लिए पैदल जा रही थीं। इसी दौरान बाइक पर सवार तीन युवक उनके पास पहुंचे। पीछे बैठे बदमाश ने झपट्टा मारकर उनके गले से सोने की चेन खींच ली। वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों आरोपी तेज रफ्तार से मौके से भाग निकले। महिला के शोर मचाने पर आसपास मौजूद लोग तत्काल बदमाशों के पीछे दौड़े। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आरोपी एमओजी लाइन की ओर भागे। पीछा किए जाने पर उन्होंने हथियार दिखाकर लोगों को डराया, जिसके चलते कोई भी उन्हें पकड़ नहीं सका। घटना की सूचना मिलते ही मल्हारगंज थाना पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया। वारदात दो थाना क्षेत्रों की सीमा के निकट होने के कारण दोनों थानों की पुलिस संयुक्त रूप से जांच कर रही है। पुलिस ने क्षेत्र में नाकाबंदी कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। साथ ही, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री आज करेंगे केंद्रीय विद्यालय भवन का शुभारंभ

नागदा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार, 10 जुलाई को दोपहर को उज्जैन जिले के नागदा में प्रवास पर रहेंगे। वे इसी सत्र से शुरू होने वाले केंद्रीय विद्यालय भवन का शुभारंभ करेंगे। साथ जावराझउज्जैन फोरलेन मार्ग का भूमिपूजन भी करेंग। इस मौके पर चंबल तट स्थित मुक्तेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में आयोजित आम सभा को दोपहर 2:30 बजे संबोधित करेंगे। कार्यक्रम को लेकर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने तैयारियां पूरी कर ली है। मुख्यमंत्री के आगमन से पहले विधायक डॉ. तेजबहादुर सिंह चौहान, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़, नगर पालिका प्रतिनिधियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल एवं सभा स्थल का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंच, बैठक व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, वीआईपी आगमन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। डॉक्टर तेज बहादुर सिंह चौहान ने बताया कि मुख्यमंत्री का नागदा दौरा क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।

रीवा से इंदौर आ रही जय अंबे ट्रेवल्स की बस में लगी आग, सभी यात्री सुरक्षित

शिप्रा थाने के सामने टायर फटने के बाद भड़की आग

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के शिप्रा थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह रीवा से इंदौर आ रही जय अंबे ट्रेवल्स की एक यात्री बस में अचानक आग लग गई। हादसा शिप्रा थाने के सामने हुआ। चालक की सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई के चलते बस में सवार सभी यात्रियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

पुलिस के अनुसार घटना सुबह करीब 11 बजे की है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चलती बस का एक टायर अचानक फट गया। इसके बाद चालक ने बस को नियंत्रित करने का प्रयास किया, लेकिन टायर फटने से हुए घर्षण के कारण बस के अगले हिस्से में आग भड़क उठी। आग लगते ही चालक और स्टाफ ने तत्काल बस रोककर

यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालना शुरू किया।

घटना की सूचना मिलते ही शिप्रा थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई। दमकलकर्मियों ने कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया, जिससे आग पूरी बस में फैलने से पहले ही नियंत्रित हो गई। हादसे में किसी यात्री के घायल होने या जनहानि की सूचना नहीं है। घटना के बाद कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल रहा और मार्ग पर यातायात भी प्रभावित हुआ। पुलिस ने यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्हें दूसरी बस की व्यवस्था कर गंतव्य के लिए रवाना कर दिया। पुलिस का कहना है कि आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर टायर फटने के बाद हुए घर्षण को आग लगने की वजह माना जा रहा है। तकनीकी जांच के बाद ही हादसे के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

कांग्रेस पीसीसी चीफ के छोटे भाई नाना पटवारी गिरफ्तार

भोपाल/इंदौर। मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के छोटे भाई नाना पटवारी को इंदौर पुलिस ने गुरुवार दोपहर गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई ड्रग्स सप्लाई से जुड़े एक मामले में की गई है। हाल ही में पकड़े गए एक ड्रग सप्लायर ने पूछताछ में नाना पटवारी का नाम लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस उन्हें किसी अज्ञात स्थान पर ले जाकर पूछताछ कर रही है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पिछले दिनों मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। रिमांड के दौरान जब आरोपियों से पूछताछ की गई, तो उन्होंने नाना पटवारी से संबंध होने की बात कही। इसी बयान के आधार पर इंदौर की राजेंद्रनगर थाना पुलिस ने गुरुवार को नाना पटवारी को हिरासत में लिया। हालांकि, मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस उन्हें किसी अज्ञात स्थान पर ले गई, जहां उनसे पूछताछ कर रही है। इसे पूरी तरह गोपनीय रखा गया है। नाना पटवारी की गिरफ्तारी के बाद मध्य प्रदेश की सियासत में उबाल आ गया है। कांग्रेस ने इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए इसे पूरी तरह राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया है।

बैतूल में कांग्रेस का तहसील घेराव, प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल

बैतूल। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के चिचोली में गुरुवार को कांग्रेस ने किसानों की समस्याओं, क्षेत्र में बढ़ते नशे के कारोबार, नगर परिषद में कथित भ्रष्टाचार और अन्य जनहित के मुद्दों को लेकर तहसील कार्यालय का घेराव किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने बैरिकेड लगाकर कांग्रेस कार्यकताओं को रोकने का प्रयास किया। जब कुछ प्रदर्शनकारी बैरिकेड पार करने लगे तो स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। बाद में कांग्रेस नेताओं ने राज्यपाल के नाम संबोधित 9 सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम को सौंपा।

प्रदर्शन की शुरूआत बाजार चौक पर आयोजित सभा से हुई, जहां कांग्रेस नेताओं ने किसानों को खाद-बीज वितरण में आ रही दिक्कतों, बिजली कटौती, नगर परिषद में कथित भ्रष्टाचार, अवैध नशे के कारोबार, वनभूमि के पट्टों और अन्य मुद्दों को लेकर सरकार पर

निशाना साधा। इसके बाद बस स्टैंड पर नुक्कड़ सभा आयोजित की गई और बाजार चौक से जय स्तंभ चौक होते हुए तहसील कार्यालय तक रैली निकाली गई। तहसील कार्यालय पहुंचने पर पुलिस ने बैरिकेड लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोक दिया। इस दौरान कुछ कार्यकताओं ने आगे बढ़ने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने वाटर कैनन का उपयोग किया। मौके पर कुछ देर तक पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की और जमकर नारेबाजी होती रही। हालांकि बाद में स्थिति सामान्य हो गई।

भेड़ाघाट के मार्बल गोदाम में 13 घंटे तक डटा रहा रसल वाइपर, सुरक्षित रेस्क्यू से टला बड़ा हादसा

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर के भेड़ाघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत दलपतपुर (लम्हेटा घाट रोड) स्थित एक मार्बल गोदाम में रसल वाइपर प्रजाति का अत्यंत विषैला सांप लगभग 13 घंटे तक डटा रहा। सांप सुरक्षा कर्मी के आवास की देहरी पर बैठा रहा, जिससे परिवार पूरे दिन घर के भीतर रहने को मजबूर हो गया। सूचना मिलने पर सर्प विशेषज्ञ ने मौके पर पहुंचकर सांप का सुरक्षित रेस्क्यू कर उसे जंगल में छोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार, गोदाम में तैनात सुरक्षा कर्मी गोलू सिंह राजपूत गुरुवार सुबह घर से बाहर निकलने के लिए दरवाजा खोल रहे थे। इसी दौरान देहरी पर बैठे करीब चार फीट लंबे रसल वाइपर ने तेज फुफकार के साथ आक्रामक प्रतिक्रिया दी। खतरा भांपते हुए उन्होंने तत्काल दरवाजा

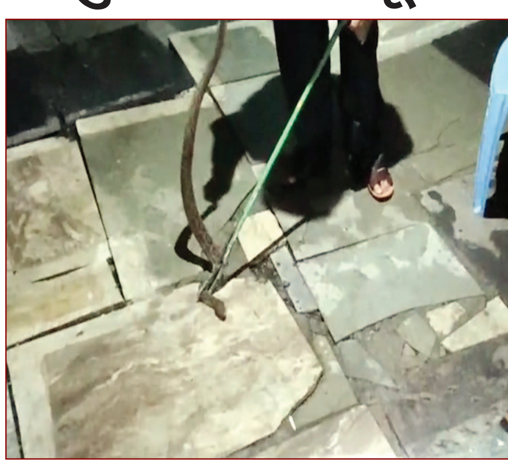

बंद कर लिया। कुछ देर बाद सांप वहां से हटता दिखाई दिया, लेकिन वह दोबारा उसी स्थान पर लौट आया और शिकार की मुद्रा में बैठ गया। इसके बाद परिवार ने सर्प विशेषज्ञ गजेंद्र दुबे को सूचना दी। मौके पर पहुंचे गजेंद्र दुबे ने देखा कि सांप एक बड़े चूहे को निगल रहा था। उन्होंने सावधानीपूर्वक रेस्क्यू कर रसल वाइपर को सुरक्षित पकड़ा और बाद में उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया।

गजेंद्र दुबे ने बताया कि रसल वाइपर के विष में हीमोटॉक्सिन पाया जाता है, जो रक्त कोशिकाओं, मांसपेशियों और किडनी को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। समय पर उपचार और एंटी-स्नेक वेनम नहीं मिलने पर इसकी चपेट में आए व्यक्ति की जान भी जा सकती है। उन्होंने बताया कि मध्य भारत में रसल वाइपर को 'पर्रान' अथवा 'दबोईया' तथा महाराष्ट्र में 'घोणस' के नाम से जाना जाता है। यह भारत के चार सबसे विषैले सांपों में शामिल है।

सर्प विशेषज्ञ ने लोगों से अपील की है कि विषैला सांप दिखाई देने पर उसे पकड़ने या मारने का प्रयास न करें। ऐसी स्थिति में तत्काल प्रशिक्षित सर्प रेस्क्यू टीम अथवा वन विभाग को सूचना दें, ताकि सुरक्षित तरीके से उसका रेस्क्यू किया जा सके।

कमाली मंदिर में प्रतिमाएं हटाने पर विवाद, विरोध के बाद मूल स्थान पर कराई पुनर्स्थापित

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भ्रोपाल के घोड़ा नक्कास स्थित ऐतिहासिक कमाली मंदिर परिसर में प्राचीन देवी-देवताओं की प्रतिमाएं हटाए जाने को लेकर गुरुवार को विवाद खड़ा हो गया। मंदिर परिसर में प्रस्तावित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के निर्माण की सूचना सामने आने के बाद स्थानीय श्रद्धालुओं और रहवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया। बढ़ते विरोध के बीच हटाई गई प्रतिमाओं को दोबारा उनके मूल स्थान पर स्थापित कराया गया। सूचना मिलने पर हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी मौके पर पहुंचे और समाज के लोगों के साथ विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि व्यापारिक निर्माण की तैयारी के तहत वर्षों पुरानी प्रतिमाओं को बिना धार्मिक परंपराओं का पालन किए उनके मूल स्थान से हटाकर दूसरी जगह रख दिया गया, जिससे श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि कमाली मंदिर का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व है। उनके अनुसार, यह भूमि तत्कालीन नवाब की बेगम द्वारा कमाली बाबा को दान में दी गई थी। उन्होंने दावा किया कि मंदिर परिसर में पहले से संचालित चेतन मार्केट से लाखों रुपये का किराया प्राप्त होता है, इसके बावजूद एक और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मंदिर के भव्य पुनर्निर्माण का आश्वासन वर्षों पहले दिया गया था। लाल पत्थरों से मंदिर निर्माण की घोषणा के बावजूद करीब छह वर्ष बीत जाने के बाद भी कार्य पूरा नहीं हो सका। ऐसे में प्रतिमाओं को हटाया जाना श्रद्धालुओं की आस्था के विपरीत है। विरोध के बाद हटाई गई प्रतिमाओं को पुनः उनके मूल स्थान पर स्थापित किया गया। तिवारी ने कहा कि धार्मिक परंपराओं के अनुरूप प्रतिमाओं का विधिवत चरणोद्धार कर उन्हें स्थायी रूप से स्थापित कराया जाएगा।

अनूपपुर नगर की सीमा का होगा विस्तार

पालिका में जुड़ेंगे 8 नए गांव बढ़ेगी वार्डों की संख्या, भेजा प्रस्ताव

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिला मुख्यासलय की नगर पालिका क्षेत्र की सीमाओं का विस्तार किया जाएगा। इसके तहत जिला मुख्यालय से लगे आठ ग्राम पंचायतों को नगर पालिका क्षेत्र में शामिल करने की योजना है। नगर पालिका की टीम ने इस संबंध में सर्वे कार्य पूरा कर प्रस्ताव राज्य शासन को भेज दिया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, इस प्रस्ताव पर आगामी कुछ दिनों के भीतर ही अनुमति मिलने की संभावना है। इस विस्तार से अनूपपुर नगर पालिका का शहरीकरण का दायरा बढ़ेगा। नगर पालिका अनूपपुर की सीमा से सटे जिन आठ ग्रामों को इसमें शामिल किया गया है, उनमें बरबसपुर, मानपुर का कुछ हिस्सा, ग्राम परसवार की सीमा ग्राम पंचायत कार्यालय तक, ग्राम करहीबाह, ग्राम सकरिया में ला कॉलेज तक का हिस्सा, तिपानखोली, सेदुरी और बर्री पंचायत का कुछ हिस्सा शामिल हैं। वर्तमान में अनूपपुर नगर पालिका में 15 वार्ड हैं। परिसीमन कार्य को मंजूरी मिलने के बाद वार्डों की संख्या बढ़कर 20 से 23 हो सकती है।

परिसीमन का एक मुख्य उद्देश्य नगर पालिका के क्षेत्र में वृद्धि करते हुए इसके राजस्व में इजाफा करना है। इससे अनूपपुर नगर पालिका की आय बढ़ सकेगी। इस प्रक्रिया में ज्यादातर ऐसे ग्रामों में स्थित शासकीय भूमि क्षेत्रों को शामिल किया गया है, ताकि वहां विकास कार्य किए जा सकें और नगर पालिका का राजस्व बढ़ाया जा सके। नगर पालिका अध्यक्ष अंजुलिका शैलेंद्र सिंह ने बताया कि वार्डों के परिसीमन के सर्वे का कार्य पूरा कर प्रस्ताव राज्य शासन को भेजा गया है, जिस पर जल्द ही मंजूरी मिल सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि परिसीमन के बाद जिला मुख्यालय में कई और वार्ड बढ़ जाएंगे।

झमाझम बारिश से किसानों को राहत, खरीफ बोवनी ने पकड़ी रफ्तार

पिछले वर्ष इसी अवधि में जिले में 347 .6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई थी

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में मानसून की सक्रियता के चलते जिला मुख्यालय सहित कोतमा, जैतहरी, भालूमाड़ा, अमरकंटक और राजेंद्रग्राम समेत ग्रामीण अंचलों में लगातार हो रही बारिश से किसानों को बड़ी राहत मिली है।

पिछले पांच दिनों से तेज और रुक-रुक कर हो रही बारिश के बाद गुरुवार को दिनभर बूंदाबांदी का सिलसिला जारी रहा। हालांकि तेज बारिश थमने से नगरीय क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति में कुछ सुधार हुआ और लोगों को राहत मिली। वहीं आसमान में काले बादल छाए रहने से आगामी दिनों में भी अच्छी बारिश की संभावना बनी हुई है।

अधीक्षक भू-अभिलेख विभाग के अधिकारी प्रदीप मोगरे ने बताया कि 1 जुलाई से जिले में लगातार वर्षा हो रही है, जो पिछले कई वर्षों की तुलना में बेहतर स्थिति है। इस बारिश से जैतहरी, कोतमा, फुनगा, राजेंद्रग्राम और अमरकंटक क्षेत्र में खरीफ फसलों की बुवाई ने गति पकड़ ली है।

खेतों में पर्याप्त नमी बनने से किसानों को बुवाई में सुविधा मिल रही है। हालांकि जिले के कुछ इलाकों में अभी भी पर्याप्त पानी नहीं पहुंचने के कारण किसान सिंचाई पर निर्भर हैं। भू-अभिलेख विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों में जिले में औसतन 10.7 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। अनूपपुर में 1.5 मिमी, कोतमा में 4 मिमी, बिजुरी में 18.3 मिमी, राजेंद्रग्राम में 1.2 मिमी, जैतहरी में 8 मिमी तथा अमरकंटक में सर्वाधिक 46.2 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। 1 जून से अब तक जिले में कुल 229.1 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है, जबकि इस अवधि तक सामान्य औसत वर्षा 279 मिलीमीटर होनी चाहिए थी। पिछले वर्ष इसी अवधि में जिले में 347.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई थी। इस प्रकार इस वर्ष अब तक की वर्षा सामान्य औसत और पिछले वर्ष दोनों की तुलना में कम बनी हुई है। कृषि विभाग के अनुसार जिले में खरीफ फसलों की बोवनी का लक्ष्य 1 लाख 85 हजार हेक्टेयर निर्धारित किया गया है। इसके मुकाबले अब तक केवल 26 प्रतिशत क्षेत्र में ही बोवनी हो सकी है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि आगामी दिनों में मानसून इसी तरह सक्रिय रहा तो बोवनी का कार्य तेजी से पूरा होने की संभावना है।

भोपाल जिले को नशामुक्त बनाने पर जोर, कलेक्टर ने ली जिला स्तरीय एनकॉर्ड समिति की बैठक

एनकॉर्ड समिति की बैठक में एंटी ड्रग कमेटियों के गठन, ऑनलाइन ट्रैकिंग और सोशल मीडिया जागरूकता अभियान के दिए निर्देश

भोपाल। मध्य प्रदेश के भोपाल जिले को नशामुक्त बनाने की दिशा में प्रभावी एवं समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई जिला स्तरीय एनकॉर्ड समिति की बैठक में नशीली दवाओं की रोकथाम, अवैध तस्करी पर नियंत्रण, जनजागरूकता और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कलेक्टर मिश्रा ने निर्देश दिए कि 15 जुलाई से पुलिस के ह्यनशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत सामाजिक न्याय विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, नशा मुक्ति केंद्रों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं स्टेट मास्टर ट्रेनर श्री राजीव तिवारी के समन्वय से जिले के स्कूलों एवं कॉलेजों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इसके लिए विभागवार कैलेंडर तैयार किया जाए। उन्होंने सभी शासकीय महाविद्यालयों में एंटी ड्रग कमेटियों का गठन कर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करने तथा सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स के सहयोग से युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए।

बैठक में ड्रग इंस्पेक्टर को एनकॉर्ड के नियमों का उल्लंघन करने वाले संदिग्ध मेडिकल स्टोर्स का डेटाबेस तैयार करने तथा जिले के नशा मुक्ति केंद्रों के लिए ऑनलाइन ट्रैकिंग सॉफ्टवेयर विकसित करने के निर्देश भी दिए गए, जिससे उपचार एवं पुनर्वास की निगरानी अधिक प्रभावी हो सके। बैठक में नारकोटिक ड्रग्स एवं साइकोट्रॉपिक पदार्थों की अवैध तस्करी की रोकथाम, विभागों के बीच नियमित सूचना आदान-प्रदान, अंतरजिला एवं अंतरराज्यीय मामलों में संयुक्त जांच, मेडिकल स्टोर्स की नियमित जांच तथा संदिग्ध विक्रेताओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही, एनसीबी द्वारा पुलिस, आबकारी एवं अन्य विभागों के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने तथा जिले के सभी सरकारी एवं निजी नशा मुक्ति केंद्रों की सूची अद्यतन रखने एवं नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस के आईएएस उत्सव पाराशर, एसपी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो कौशिक मन्ना, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण पंकज कुमार पांडे, एडीसीपी क्राइम शैलेंद्र सिंह चौहान, एडीएम महेंद्र सिंह कवचे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भोपाल में जनवरी से अब तक मलेरिया के चार डेंगू के 44 और चिकुनगुनिया के मिले 9 मरीज

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया लगातार पैर पसार रहा है। यहां जनवरी से अब तक मलेरिया के चार, डेंगू के 44 और चिकुनगुनिया के 9 मरीज मिल हैं।

जनसम्पर्क अधिकारी अरुण शर्मा ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि डेंगू-चिकुनगुनिया की रोकथाम के लिए मलेरिया कार्यालय द्वारा जनवरी से अब तक दो लाख 24 हजार 434 घरों का सर्वे किया गया। जिसमें 5269 घरों में लार्वा पाया। इस दौरान 16 लाख 47 हजार 992 कंटेनरों में लार्वा की जांच की गई, जिसमें 5776 कंटेनरों में लार्वा पाया गया। 2181 कंटेनर खाली कराए गए एवं 3595 कंटेनरों में लार्वी साइट दवा डाली गई।

उन्होंने बताया कि जनवरी से अब तक 1 लाख 21 हजार 39 लोगों की मलेरिया जांच की गई, जिसमें 4 पाजिटिव पाए गए, जबकि 2 हजार 7 सौ 30 संभावित डेंगू मरीजों की जांच में 44 पाजिटिव पाए गए। इसी तरह 615 संभावित चिकुनगुनिया मरीजों की जांच में 9 पॉजिटिव पाए गए। उन्होंने बताया कि प्रत्येक जोन के सभी वार्डो में मलेरिया टीम द्वारा लार्वा सर्वे कार्य किया गया है, साथ ही मलेरिया टीम द्वारा विभिन्न वार्डों की संजीवनी क्लीनिक, आंगनवाड़ियों एवं स्कूलों मे जाकर प्रचार-प्रसार गतिविधियां की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को 35 जनजातीय छात्रावासों में छात्रों में मध्य जागरूकता अभियान चलाया गया।

भोपाल में एथेनॉल से भरे टैंकर के केबिन में लगी भीषण आग, बड़ा हादसा टला

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में गुरुवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। आयशर कॉलेज के पास एथेनॉल से भरे एक टैंकर के केबिन में अचानक भीषण आग लग गई। गनीमत यह रही कि आग टैंकर के पिछले हिस्से तक नहीं पहुंची, जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया। दमकल विभाग की मुस्तैदी से समय रहते स्थिति पर काबू पा लिया गया। जानकारी के अनुसार, यह घटना गुरुवार सुबह करीब 11:15 बजे की है। आयशर कॉलेज के पास सड़क किनारे खड़े या गुजर रहे एक टैंकर के केबिन से अचानक आग की लपटें उठने लगीं।

संबंधित डिपो के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि टैंकर के पिछले हिस्से (कंटेनर) में एथेनॉल भरा हुआ था। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। फायर फाइटर्स ने सूझबूझ का परिचय देते हुए तत्काल मोर्चा संभाला और महज एक ही फायर ब्रिगेड वाहन की मदद से पानी की बौछारें कर आग पर काबू पा लिया। राहत की बात यह रही कि दमकल कर्मियों ने आग को केबिन तक ही सीमित रखा और उसे पीछे एथेनॉल वाले मुख्य टैंक तक फैलने नहीं दिया। यदि आग टैंक तक पहुंच जाती, तो बड़ा हादसा हो सकता था। हालांकि इस घटना में ट्रक का पूरा केबिन जलकर खाक हो गया। दमकल विभाग और पुलिस अधिकारियों ने बताया कि केबिन में आग किन कारणों से लगी, इसका फिलहाल पता नहीं चल पाया है। शुरूआती जांच में इसे अज्ञात शॉर्ट सर्किट या तकनीकी खराबी माना जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि हादसे के समय और आग बुझने के बाद भी ट्रक का चालक मौके पर नहीं मिला। ऐसे में आग कैसे लगी और चालक कहां गया, इसे लेकर भी जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के स्थापना दिवस पर दी बधाई

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, 'ज्ञान, शील, एकता' के ध्येय वाक्य के साथ विद्यार्थी और युवा शक्ति को राष्ट्र सेवा के संस्कार प्रदान करने वाला संगठन है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के साथी देश के नवनिर्माण में सतत सक्रिय भूमिका निभाते रहें, यही कामना है। उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एक छात्र संगठन है। 9 जुलाई 1949 को इसकी स्थापना हुई थी। इस संगठन का उद्देश्य छात्रों में राष्ट्रभक्ति, सामाजिक जिम्मेदारी और शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करना है। यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का अनुषंगिक संगठन है।

जेल विभाग में 10 वर्ष बाद अधिकारियों-कर्मचारियों को मिली पदोन्नति

विभिन्न संवर्गों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पदोन्नति आदेश चरणबद्ध रूप से होंगे जारी

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन के पदोन्नति संबंधी निर्णय के अनुपालन में जेल विभाग में लगभग 10 वर्षों के अंतराल के बाद अधिकारियों एवं कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। जेल मुख्यालय द्वारा विभिन्न संवर्गों के पात्र अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पदोन्नति आदेश जारी किए गए हैं। यह निर्णय विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मनोबल को सुदृढ़ करने के साथ-साथ प्रशासनिक दक्षता एवं कार्यकुशलता को और अधिक प्रभावी बनाएगा।

जनसंपर्क अधिकारी राजेश दाहिमा ने गुरुवार को बताया कि जेल मुख्यालय द्वारा जारी आदेशों के अनुसार सहायक ग्रेड-1, स्टेनो टाइपिस्ट, लेखापाल, उप अधीक्षक (उद्योग), वरिष्ठ बुनाई प्रशिक्षक, वरिष्ठ बढ़ईगिरी प्रशिक्षक, दफ्तरी तथा जमादार के पदों पर पात्र अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पदोन्नत किया गया है। पदोन्नति आदेश जारी होने के साथ ही संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके नवीन पदों के अनुरूप दायित्व सौंपने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है। उन्होंने बताया कि जेल विभाग द्वारा पदोन्नति की संपूर्ण प्रक्रिया शासन के निर्देशों के अनुरूप पारदर्शी, निष्पक्ष एवं समयबद्ध ढंग से संचालित की जा रही है।

विभाग पात्र अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पदोन्नति प्रकरणों का निरंतर परीक्षण एवं निराकरण कर रहा है। आगामी समय में अन्य पात्र अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पदोन्नति आदेश भी चरणबद्ध रूप से जारी किए जाएंगे, ताकि प्रत्येक पात्र अधिकारी एवं कर्मचारी को समय पर पदोन्नति का लाभ मिल सके। महानिदेशक जेल वरूण कपूर ने सभी पदोन्नत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पदोन्नति केवल अधिकार नहीं, बल्कि अधिक उत्तरदायित्व के साथ कार्य करने का अवसर भी है।

उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि सभी पदोन्नत अधिकारी एवं कर्मचारी अपने नवीन दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ करते हुए विभाग की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

भोपाल में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए जिला स्तर पर बनेगा कंट्रोल कमांड रूम : कलेक्टर मिश्रा

भोपाल। मध्य प्रदेश के भोपाल जिला कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने जिले की शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और परिणाममुखी बनाने के उद्देश्य से जिला स्तर पर ह्यसेंट्रलाइज्ड एजुकेशन मॉनिटरिंग सिस्टमह्न के अंतर्गत अत्याधुनिक कंट्रोल कमांड रूम स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे सामाजिक क्षेत्रों की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निरंतर उच्चस्तरीय समीक्षा की जा रही है, इसलिए जिले में भी शिक्षा की गुणवत्ता और मॉनिटरिंग को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। कलेक्टर मिश्रा गुरुवार को सांदीपनी विद्यालय, टीटी नगर में आयोजित बैठक में समग्र शिक्षा अभियान की समीक्षा की। बैठक के बाद उन्होंने विद्यालय की कक्षाओं का निरीक्षण कर शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया तथा विद्यार्थियों के साथ विद्यालय के मेस में सहभोज कर उनसे आत्मीय संवाद भी किया।

बैठक में जिला शिक्षा विभाग के अधिकारी, शासकीय विद्यालयों, पीएम श्री, नवोदय एवं केंद्रीय विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे।कलेक्टर मिश्रा ने नई शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप सभी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को नियमित पाठ्यक्रम के साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण से जोड़कर रोजगारोन्मुखी बनाया जाए। जिले के सकल नामांकन अनुपात को बढ़ाने, अटल टिंकरिंग लैब को पूर्ण रूप से सक्रिय करने तथा प्रत्येक विद्यार्थी में कम से कम एक व्यावहारिक कौशल विकसित करने पर विशेष बल दिया। साथ ही आरटीई के तहत पात्र बच्चों का समयबद्ध प्रवेश सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

ड्रॉप-आउट पर सख्ती, एसडीएम और जिला शिक्षा अधिकारी होंगे प्रथम संपर्क अधिकारी कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि विद्यालयों से संबंधित समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए संबंधित एसडीएम और जिला शिक्षा अधिकारी प्राचार्यों के प्रथम संपर्क अधिकारी होंगे। उन्होंने निर्माण कार्य, यातायात और अतिक्रमण जैसी समस्याओं के समाधान के लिए विभागीय समन्वय बढ़ाने के निर्देश दिए। ड्रॉप-आउट विद्यार्थियों की सही जानकारी संकलित कर पोर्टल पर प्रमाणिक डेटा दर्ज करने तथा इसमें लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

कलेक्टर ने सभी विद्यार्थियों की अपार आई डी शत-प्रतिशत बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयी परिवहन व्यवस्था पूरी तरह सुरक्षित होनी चाहिए। इसके लिए पुलिस एवं आरटीओ द्वारा स्कूल बसों का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा बसों में पैनिक बटन और सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से कार्यशील रहें। चालकों एवं परिचालकों के नियमित ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट तथा विद्यालयों की सुरक्षा व्यवस्था की सतत निगरानी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर मिश्रा ने विद्यालयों में रेस्को पद्धति के माध्यम से सोलराइजेशन, डाइट एवं एससीईआरटी के जरिए शिक्षकों के नियमित प्रशिक्षण, समग्र शिक्षा अभियान के निर्माण कार्यों को समयसीमा में पूर्ण करने तथा पीएम पोषण अभियान के तहत गुणवत्तापूर्ण भोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

भोपाल के कोहेफिजा फ्लाईओवर पर स्कूल वैन हुई हादसे का शिकार

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के कोहेफिजा थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक स्कूल वैन हादसे का शिकार हो गई। पंचवटी क्षेत्र से बच्चों को लेकर जा रही भोपाल गर्ल्स स्कूल की वैन कोहेफिजा थाने के सामने फ्लाईओवर पर अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई। हादसे में वैन में सवार छह बच्चे सुरक्षित बच गए, जबकि आगे की सीट पर बैठी स्कूल की एक महिला स्टाफ सदस्य घायल हो गई। उनके सिर में चोट आने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। राहगीरों ने तत्काल मदद करते हुए बच्चों को सुरक्षित वैन से बाहर निकाला और घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलते ही कोहेफिजा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद बच्चों को दूसरे वाहन से सुरक्षित स्कूल के लिए रवाना किया गया। कोहेफिजा थाना प्रभारी के.जी. शुक्ला ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फ्लाईओवर पर वैन के सामने अचानक एक बड़ा वाहन आ गया था। उसे बचाने के प्रयास में चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और वैन सीधे बिजली के खंभे से जा टकराई।

बुरहानपुर की दो परियोजनाओं में लापरवाही पर अधिकारियों को नोटिस,ठेकेदारों के पंजीयन निलंबित

प्रदेश के 7 जिलों में 34 निर्माण कार्यों का मुख्य अभियंताओं ने किया निरीक्षण

भोपाल। मध्य प्रदेश लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रदेशभर में औचक निरीक्षण की कार्रवाई लगातार जारी है। विभाग ने जांच में बुरहानपुर की दो परियोजनाओं में गंभीर गुणवत्ता संबंधी खामियां मिलने पर अधिकारियों को नोटिस और निर्माण एजेंसी पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।जनसंपर्क अधिकारी अरूण शर्मा ने गुरुवार को बताया कि विगत 6 जुलाई को मुख्य अभियंताओं के 7 दलों ने रायसेन, पांढुर्णा, शिवपुरी, बुरहानपुर, उमरिया, मंदसौर एवं निवाड़ी जिलों में निमार्णाधीन एवं पूर्ण कार्यों का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण में कुल 34 निर्माण कार्यों का रेंडम आधार पर परीक्षण किया गया, जिनमें लोक निर्माण विभाग (सड़क एवं पुल) के 21, पीआईयू के 6, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के 6 तथा मध्यप्रदेश भवन विकास निगम का 1 कार्य शामिल रहा।निरीक्षण प्रतिवेदनों की समीक्षा प्रमुख अभियंता (सड़क/पुल) आर.एल. वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक में की गई। बैठक में प्रमुख अभियंता (एमपीआरडीसी) के.पी.एस. राणा, प्रमुख अभियंता (भवन) एस.आर. बघेल, प्रमुख अभियंता (बीडीसी) अजय श्रीवास्तव सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं सभी निरीक्षण दल ऑनलाइन उपस्थित रहे।समीक्षा में बुरहानपुर जिले के सुंदर नगर-कुंदन डेयरी रोड स्थित पंडारोल नाला पर निमार्णाधीन उच्च स्तरीय पुल के कार्य में गुणवत्ता संबंधी कमियां पाए जाने पर संबंधित अनुविभागीय अधिकारी एवं तत्कालीन कार्यपालन यंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

बुरहानपुर जिले में हिवरा फाटा-हैदरपुर फाटा सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता भी अपेक्षित स्तर की नहीं मिलने पर संबंधित अनुविभागीय अधिकारी एवं उपयंत्री के विरुद्ध नोटिस जारी करने तथा कार्य कर रही एजेंसी मेसर्स कालिका फर्नीचर इंडस्ट्रीज, खंडवा के पंजीयन निलंबन की कार्रवाई करने के निर्देश प्रमुख अभियंता इंदौर को दिए गए।

कलेक्टर ने की राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन अभियान की समीक्षा

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में गुरुवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में कलेक्टर डॉ.गिरीश कुमार मिश्रा ने राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन अभियान की समीक्षा की। उन्होंने टीबी मरीजों को बेहतर और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के प्रयासों की जानकारी ली तथा टीबी चैंपियनों के अनुभव भी सुने। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने कहा कि टीबी अब लाइलाज बीमारी नहीं है। समय पर जांच, नियमित उपचार और समाज के सहयोग से इस बीमारी को पूरी तरह समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन अभियान को जनभागीदारी से जोड़ने पर जोर देते हुए सभी विभागों और सामाजिक संगठनों से सक्रिय सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि टीबी को हराकर सामान्य जीवन जी रहे लोगों की प्रेरणादायक कहानियां अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाई जाएं, ताकि बीमारी से जुड़े भ्रम और सामाजिक भेदभाव खत्म हो तथा मरीज बिना झिझक इलाज कराएं। बैठक में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. मनीष कुमार ने स्लाइड प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अभियान की उपलब्धियों, चुनौतियों और विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी।

मप्र के मालवा की ऊर्जा गाथा का स्वर्णिम अध्याय बना 50 साल पुराना स्वदेशी ट्रांसफॉर्मर

भोपाल। मध्य प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के राजगढ़ जिले के सारंगपुर स्थित सब-स्टेशन में 1976 में स्थापित 20 एमवीए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर 50 वर्षों से लगातार विश्वसनीय बिजली आपूर्ति कर तकनीकी उत्कृष्टता और बेहतर रखरखाव का उदाहरण बना हुआ है। निर्धारित 25 वर्ष की आयु के मुकाबले दोगुनी सेवा देने वाले इस ट्रांसफार्मर को एमपी ट्रांसको ने मालवा की ऊर्जा गाथा का स्वर्णिम अध्याय बताया है।

जनसंपर्क अधिकारी राजेश पाण्डेय ने गुरुवार को बताया कि भारत की सरकारी कंपनी एनजीईएफ (न्यू गवर्नमेंट इलेक्ट्रिक फैक्ट्री) द्वारा 1976 का निर्मित 20 एमवीए क्षमता का यह पावर ट्रांसफार्मर आज केवल विद्युत उपकरण नहीं, बल्कि मालवा क्षेत्र के विकास, तकनीकी उत्कृष्टता और समर्पित रखरखाव की एक जीवंत मिसाल बन चुका है। वर्ष 1976 में पहली बार ऊर्जीकृत हुआ यह ट्रांसफार्मर पिछले 50 वर्षों से प्रदेश के औद्योगिक, कृषि एवं घरेलू उपभोक्ताओं को निरंतर और विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति कर रहा है।उन्होंने बताया कि आधी शताब्दी की अपनी गौरवशाली यात्रा में इस ट्रांसफार्मर ने मौसम, तकनीक, विभिन्न क्षेत्र और विद्युत तंत्र के अनेक बदलाव देखे हैं, लेकिन सत्तर के दशक में निर्मित इसकी उच्च गुणवत्ता और मजबूत अभिकल्पना के कारण इसकी कार्यक्षमता एवं विश्वसनीयता आज भी उल्लेखनीय बनी हुई है। यह उस दौर का साक्षी है जब मालवा क्षेत्र औद्योगिक विकास की गति तेज हो रही है, यह आज भी उसी निष्ठा के साथ विकास की ऊर्जा का आधार बना हुआ है।प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि आज जब ऊर्जा क्षेत्र में उपयोग में आने वाले उपकरणों और तेजी से बदलती तकनीकों के बीच संसाधनों के अधिकतम उपयोग की आवश्यकता पर बल दिया जा रहा है, तब सारंगपुर का यह ट्रांसफार्मर एक प्रेरक उदाहरण बनकर सामने आता है। यह केवल

लोहे, तांबे और तेल से निर्मित मशीन नहीं, बल्कि उन हजारों अभियंताओं, तकनीशियनों और कर्मचारियों की प्रतिबद्धता का प्रतीक है जिन्होंने पांच दशकों तक इसकी कार्यक्षमता और विश्वसनीयता को बनाए रखा।विद्युत क्षेत्र के मानकों के अनुसार किसी पॉवर ट्रांसफार्मर की सामान्य उपयोगी आयु लगभग 25 वर्ष मानी जाती है। इसके विपरीत सारंगपुर का यह ट्रांसफार्मर अपनी निर्धारित आयु से दोगुना अर्थात 50 वर्षों तक सफलतापूर्वक सेवा प्रदान कर रहा है, जो अपने आप में एक उल्लेखनीय तकनीकी उपलब्धि है।इस ट्रांसफार्मर का निर्माण एनजीईएफ (न्यू गवर्नमेंट इलेक्ट्रिकल फैक्टरी) द्वारा किया गया था। कर्नाटक सरकार ने वर्ष 1956 में बेंगलुरु में इस सरकारी उपक्रम की स्थापना की थी। जर्मनी की एईजी कंपनी के तकनीकी सहयोग से प्रारंभ हुए इस उपक्रम ने देश और विदेश में अनेक बड़े पावर ट्रांसफार्मरों की सफल आपूर्ति की। लगभग 46 वर्षों तक उत्कृष्ट श्रेणी के विद्युत उपकरणों का निर्माण करने के बाद वर्ष 2002 में यह उपक्रम बंद हो गया।इस असाधारण सफलता के पीछे तत्कालीन मध्यप्रदेश विद्युत मंडल, मध्यप्रदेश राज्य विद्युत मंडल तथा वर्तमान एमपी ट्रांसको के अभियंताओं एवं तकनीकी कर्मचारियों की दशकों की मेहनत, दूरदर्शिता और प्रभावी रखरखाव नीति रही है।

नियमित परीक्षण, समयबद्ध मेंटेनेंस, संतुलित लोड प्रबंधन तथा तकनीकी मानकों के कठोर अनुपालन ने इस ट्रांसफार्मर को निरंतर सक्षम बनाए रखा।इसके साथ ही विद्युत वितरण कंपनी द्वारा संबंधित फीडरों के उत्कृष्ट रखरखाव ने भी इसकी लंबी आयु सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बाह्य फाल्ट और नेटवर्क व्यवधानों को न्यूनतम रखने के प्रयासों से ट्रांसफार्मर पर पड़ने वाले विद्युत एवं यांत्रिक तनाव में कमी आई, जिससे इसकी विश्वसनीयता और सेवा अवधि दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।सारंगपुर का यह ट्रांसफार्मर केवल बिजली उपलब्ध नहीं करा रहा, बल्कि यह सिद्ध कर रहा है कि समर्पित रखरखाव, तकनीकी उत्कृष्टता और कर्मनिष्ठा के बल पर किसी भी संसाधन की उपयोगिता और सेवा अवधि को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया जा सकता है। यह मालवा की ऊर्जा गाथा का एक स्वर्णिम अध्याय है, जो आने वाली पीढ़ियों के अभियंताओं को प्रेरित करता रहेगा।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तरुणमित्र

श्रम ही आधार, सिर्फ खबरों से सरोकार

शुक्रवार, 10 जुलाई 2026

विक्रम संवत्- 2083, आषाढ़ कृष्ण पक्ष, एकादशी

ट्रम्प के पास रास्ता?

ट्रंप के आक्रामक बयानों के बावजूद ईरान से बातचीत ही बेहतर विकल्प है। क्यों कि डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में ईरान के साथ संबंधों में तनाव और वार्ता का एक जटिल चक्र देखने को मिल रहा है। ट्रंप बार-बार आक्रामक बयान देते हैं। ईरान को 'बीमार आदमी' कहते हैं, सैन्य हमलों की धमकी देते हैं और स्ट्रेट ऑफ हरमुज को खुला रखने के लिए कड़ी चेतावनी जारी करते हैं। फिर भी वास्तविकता यह है कि पूर्ण युद्ध से बचने और क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए बातचीत के अलावा कोई व्यवहारिक विकल्प नहीं दिखता। 2025-26 के घटनाक्रम इस सच्चाई को उजागर करते हैं। ट्रंप प्रशासन ने अधिकतम दबाव की नीति अपनाई, 60 दिन की समय सीमा, सैन्य हमले, इजराइल के साथ समन्वय। ईरान पर हमले हुए, परमाणु सुविधाओं को निशाना बनाया गया और प्रॉक्सी समूहों पर दबाव बढ़ाया गया। परिणामस्वरूप तेल की कीमतें बढ़ीं, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई और क्षेत्र में अस्थिरता फैली। ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की, हार्मुज पर हमले, खाड़ी में अमेरिकी ठिकानों पर बम बारी। दोनों पक्षों के बीच संघर्ष चक्र चलता रहा, जिसमें युद्धविराम घोषित होते-होते टूट जा रहे। इस पृष्ठभूमि में बातचीत क्यों अनिवार्य है? सबसे पहले, पूर्ण युद्ध की कीमत बहुत ऊंची होगी। ईरान का परमाणु कार्यक्रम जड़ें जमा चुका है। हमलों से इसे पूरी तरह नष्ट करना कठिन है, जबकि ईरान के पास बैलिस्टिक मिसाइलें, प्रॉक्सी नेटवर्क (हिजबुल्लाह, हूती आदि) और क्षेत्रीय प्रभाव है। लंबा युद्ध अमेरिका के सैनिकों, सहयोगियों (खासकर इजराइल और सऊदी अरब) और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचाएगा। तेल निर्यात बाधित होने से विश्व स्तर पर मुद्रास्फीति बढ़ेगी। दूसरा, ट्रंप की अपनी रणनीति 'आक्रामकता के साथ सौदा' पर टिकी है। वे पहले दबाव बनाते हैं, फिर 'डील' की बात करते हैं। 2025 में परमाणु समझौते की कोशिश, हरमुज खोलने की मांग और प्रॉक्सीस पर रोक जैसी शर्तें इसी का हिस्सा हैं। हाल के बयानों में वे दावा करते हैं कि ईरान खुद डील चाहता है। यह दशार्ता है कि सैन्य विकल्प अंतिम सहारा है, प्राथमिकता कूटनीति है। तीसरा, क्षेत्रीय जटिलताएं। चीन और रूस ईरान के करीबी हैं। पूर्ण युद्ध इन शक्तियों को और निकट ला सकता है। वहीं, अमेरिका-इजराइल संबंध मजबूत हैं, लेकिन इजराइल अकेले ईरान को नियंत्रित नहीं कर सकता। कतर, ओमान जैसे मध्यस्थ देश वार्ता की सुविधा दे रहे हैं। दोहा और जेनेवा जैसे स्थानों पर अप्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष बातचीत जारी है। बातचीत के फायदे स्पष्ट हैं। एक मजबूत समझौता ईरान के परमाणु हथियार कार्यक्रम को रोक सकता है, हार्मुज को सुरक्षित कर तेल व्यापार बहाल कर सकता है और प्रॉक्सी युद्धों को कम कर सकता है। ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के अनुरूप यह सस्ता और प्रभावी विकल्प है। युद्ध से बचकर वे घरेलू अर्थव्यवस्था, चीन जैसे बड़े प्रतिद्वंद्वियों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। आलोचक कह सकते हैं कि आक्रामक बयान कमजोरी दिखाते हैं या ईरान को फायदा पहुंचाते हैं। लेकिन कूटनीति में 'बैड कॉप' की भूमिका भी जरूरी है। ट्रंप का तरीका भी शायद यही है, धमकी और सौदेबाजी का मिश्रण। इतिहास गवाह है कि हाल के समझौते कमजोर साबित हुए, इसलिए नया सौदा अधिक कठोर शर्तों वाला होना चाहिए। पूर्ण निरीक्षण, स्थायी रोक और क्षेत्रीय व्यवहार परिवर्तन। ईरान भी आर्थिक दबाव झेल रहा है। उसके लोग युद्ध नहीं चाहते। अगर ट्रंप स्मार्ट डिप्लोमेसी से परमाणु महत्वाकांक्षा छुड़ा सकें और तेल बाजार स्थिर कर सकें, तो यह उनकी बड़ी कूटनीतिक जीत होगी। इस बार आक्रामक बयान ट्रंप की ब्रैंडिंग का हिस्सा हैं, लेकिन रणनीतिक वास्तविकता बातचीत की मांग करती है। पूर्ण युद्ध न तो व्यावहारिक है, न ही वांछनीय। सही दबाव और लचीलेपन के साथ डील संभव है। मध्य पूर्व की शांति और वैश्विक स्थिरता के लिए यही एकमात्र बुद्धिमान रास्ता है।

बेटियां सुरक्षित कैसे होंगी?

रोहित माहेश्वरी

महिलाओं और मासूम बच्चियों के खिलाफ लगातार हो रहे अपराध बेहद चिंताजनक हैं और समाज को झकझोर कर रख देते हैं। हाल ही में राजस्थान के श्रीगंगानगर और पश्चिम बंगाल के बारुईपुर में नाबालिग बेटियों के साथ हुई जघन्य और दर्दनाक घटनाओं ने पूरे देश को अंदर तक हिला दिया है।

एक और बच्ची। एक और परिवार बिखर गया। एक और बार पूरा देश पूछ रहा है– आखिर कब तक? नेशनल क्राइम रेकॉर्ड्र्स ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, 2022 में भारत में औसतन प्रतिदिन लगभग 90 बलात्कार की घटनाएं दर्ज की गईं। राजस्थान के श्रीगंगानगर में बारह वर्षीय बालिका को चार दिन बंधक बनाकर दो दर्जन लोगों द्वारा दुराचार किया गया। इस मामले में 18 अभियुक्त गिरफ्तार किए गए हैं और कुछ गिरफ्तारियां बाकी हैं।

दूसरी घटना पश्चिम बंगाल की है जहां बारुईपुर में एक किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। शव परीक्षण में पाया गया कि उसके सिर व निजी अंगों पर गंभीर चोटें थी। इतना ही नहीं, दुराचार के बाद उसे बोरे मे बंद करके जिंदा ही तालाब में डुबो दिया गया। बारुईपुर क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के बलात्कार के बाद हत्या से पश्चिम बंगाल में गुस्से का माहौल है। इस घटना के बाद भीड़ ने हत्या के शक में एक युवक की भी पिटाई कर दी जिससे उसकी मौत हो गई। रेप मामले के मुख्य आरोपी प्रभास मंडल को पुलिस एनकाउंटर में मार गिराया गया है। दोनों ही घटनाएं विचलित करने वाली हैं, लेकिन श्रीगंगानगर की घटना हर संवेदनशील इंसान को हिला देने वाली है।

जन आक्रोश के चलते प्रशासन ने न केवल 18 लोगों को गिरफ्तार किया बल्कि उन होटलों को भी ध्वस्त किया गया जहां अलग-अलग जगहों में बच्ची को बंधक बनाकर देह व्यापार कराया गया। इसमें कोई दो राय नहीं है कि, मोबाइल के बढ़ते हस्तक्षेप से परिवार संस्था की चूलें हिली नजर आती हैं। कथित सोशल मीडिया समाज में विद्रूपताओं को जन्म दे रहा है। श्रीगंगानगर की बारह वर्षीय लड़की शहर से सौ किमी दूर अपने एक इंस्टाग्राम फ्रेंड से मिलने जाती है, जो उससे वहां दुराचार करता है। वहां से देर रात शहर लौटने पर एक रिक्शेवाले के झांसे में आकर होटल पहुंचती है और फिर उसके साथ दुराचार का अंतहीन सिलसिला शुरू हो जाता है। परिजनों के लापता किशोरी के तलाश में थाने पहुंचने के बाद पुलिस हरकत में आती हैं, फिर उसे मुक्त कराया जाता है।

बिना शक, ये घटनाएं इंसानियत को शर्मसार करने वाली हैं। घटना के बाद से श्रीगंगानगर में लगातार लोग सड़कों पर उतर कर प्रदर्शन कर रहे हैं और अभियुक्तों को कड़ी सजा देने की मांग उठाई जा रही है। जन आक्रोश को देखते हुए 18 लोगों की गिरफ्तारी हुई। कुछ और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। श्रीगंगानगर की किशोरी के साथ हुई बर्बरता के बारे में सोचकर भी आत्मा कांप जाती है। जो शायद ही आजीवन इस त्रासदी से उबर पाये। लेकिन सवाल यह कि भारतीय समाज में हो रहे यौन लिप्साओं के विस्फोट की वजह क्या है? ये नैतिक पतन की पराकाष्ठा क्यों हो रही है?

हवस के भूखे भेड़िए न उम्र देखते हैं, न किसी बेटी की बेबसी। आखिर महिलाओं के खिलाफ ऐसे बर्बर मामलों पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? इस सवाल पर सरकारों और समाजशास्त्रियों के नजरिए में अंतर है। मुश्किल यह है कि सरकारें या पुलिस प्रशासन ऐसे मामलों में कभी अपनी खामी कबूल नहीं करते। इसके अलावा इन घटनाओं के बाद होने वाली राजनीति और लीपापोती की कोशिशों से भी समस्या की मूल वजह हाशिए पर चली जाती है। यही वजह है कि कुछ दिनों बाद सब कुछ जस का तस हो जाता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि कहीं न कहीं इंटरनेट व सोशल मीडिया पर यौन स्वच्छंदता की पश्चिम की आंधी हमारे समाज को पतित कर रही है। हमारे परंपरागत शुचिता के रिश्तों को तार-तार करके निरंकुश यौन व्यवहार को तार्किक बताने की साजिश रची जा रही है। बच्चों को भी त्याग-तपस्या से लालन-पालन करने वाले मां-बाप की बजाय आभासी दुनिया के छद्म मित्र रास आ रहे हैं। हवस के भेड़िये भी परिस्थितियों की मारी लड़कियों को ही अपने शिकंजे में लेते हैं। ऐसे में बेटियों को भी घर से निकलते वक्त समय की संवेदनशीलता और लोगों की विश्वसनीयता को परखना चाहिए।

घर वालों से चोरी-छिपे अनजान लोगों पर यकीन करने की वजह से अकसर बेटियां अपराधियों की आसान शिकार बनती हैं। माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों के साथ खुला संवाद रखें, ताकि बेटियां किसी भी खतरे या परेशानी पर बेझिझक अपने परिवार से बात कर सकें। इंटरनेट और सोशल मीडिया के दौर में बच्चियों को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखने और उनके साथ सही-गलत की पहचान साझा करने की बेहद आवश्यकता है। ऐसे मामलों में समाज की भूमिका पर भी सवाल खड़े होते हैं। 13 वर्ष की बेटी से लोग चार दिनों तक दुष्कर्म करते रहे, लेकिन होटल मालिक ने अपना दायित्व नहीं निभाया। समाज ऐसी घटनाओं को रोकने का प्रयास नहीं करेगा तो कौन करेगा? समाज में 'इज्जत' का पूरा बोझ बेटियों पर डालने के बजाय, लड़कों को महिलाओं का सम्मान करने और सही परवरिश देने पर जोर दिया जाना चाहिए। आए दिन सामने आने वाली दिल दहला देने वाली वारदातें दिखाती हैं कि सिस्टम और समाज दोनों स्तरों पर सुरक्षा और मानसिकता में सुधार की कितनी आवश्यकता है। अब तक इस मुद्दे पर हुए तमाम शोधों से साफ है कि बलात्कार के बढ़ते हुए इन मामलों के पीछे कई वजहें हैं। मिसाल के तौर पर ढीली न्यायिक प्रणाली, कम सजा दर, महिला पुलिस की कमी, फास्ट ट्रैक अदालतों का अभाव और दोषियों को सजा नहीं मिल पाना जैसी वजहें इसमें शामिल हैं। इन सबके बीच महिलाओं के प्रति सामाजिक नजरिया भी एक अहम वजह है। समाज में मौजूदा दौर में भी लड़कियों को लड़कों से कम समझा जाता है।

भारत में रेप के मामलों में सजा की दर बेहद कम है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, 2022 तक 3,58,749 रेप के मामले दर्ज हुए, लेकिन फांसी की सजा सिर्फ पांच अपराधियों को मिली। वास्तविक आंकड़ा संभवतः इससे कहीं अधिक होगा, क्योंकि प्रतिशोध के भय, पीड़ितों के प्रति प्रचलित सामाजिक कलंक और पुलिस जांच में विश्वास की कमी के कारण ऐसे कई अपराध दर्ज नहीं किए जाते हैं। नए कानूनों में सख्त सजा का प्रावधान है, लेकिन अपराधियों में कानून का डर नहीं है। निर्भया कांड के बाद कानूनों में संशोधन के बावजूद अगर ऐसे मामले लगातार बढ़ रहे हैं तो इसके तमाम पहलुओं पर दोबारा विचार करना जरूरी है। महज कड़े कानून बनाने का फायदा तब तक नहीं होगा जब तक राजनीतिक दलों, सरकारों और पुलिस में उसे लागू करने की इच्छा शक्ति नहीं हो। इसके साथ ही सामाजिक सोच में बदलाव भी जरूरी है। वहीं, यौन अपराधों के उफान के दौर में पुलिस और स्त्री रक्षा से जुड़ी एजेंसियों को भी नये दौर की नई चुनौतियों के मुताबिक तैयार करना होगा। इसमें चाइल्ड वेलफेयर से जुड़ी संस्थाओं की सजगता-सक्रियता बढ़ाने तथा पॉक्सो व जुवेनाइल जस्टिस एक्ट को सख्त बनाने की जरूरत है।

ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

आखिर मौत की इन सड़कों का जिम्मेदार कौन है?

प्रकाश चन्द्र शर्मा

राजस्थान की सड़कें इन दिनों विकास के बजाय विडंबना की ऐसी इबारत लिख रही हैं, जहां डामर की काली पट्टी पर हर दिन किसी न किसी परिवार की खुशियां लाल हो जाती हैं। निरंतर रफ्तार पकडती दुर्घटनाओं के चलते यह कहना गलत नहीं होगा कि सड़कें अब गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचने सफर का नहीं, बल्कि काल के गाल में समाने के लिए श्मशान का रास्ता बनती जा रही हैं। शासन-प्रशासन हर दुर्घटना के बाद संवेदना की मोमबत्ती जलाता है, जांच के आदेशों का ढोल पीटता है और फिर सब कुछ 'ढाक के तीन पात' साबित होता है।

सवाल यह है कि आखिर कब तक रफ्तार का यह राक्षस लोगों की जिंदगी निगलता रहेगा और सिस्टम आंखों पर पट्टी बांधे तमाशबीन बना रहेगा? प्रदेश के ताजा आंकड़े किसी चेतावनी की घंटी नहीं बल्कि खतरे का सायरन हैं। वर्ष 2024 और 2025 के दौरान राजस्थान में 48 हजार से अधिक सड़क दुर्घटनाएं हुईं और 23 हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई। हैरानी की बात यह है कि दुर्घटनाओं की संख्या में मामूली कमी आई लेकिन मौतों का आंकड़ा और ऊंचा हो गया। यानि बीमारी वही है, बस उसका जहर और तेज हो गया है।

देश में सड़क दुर्घटनाओं और मौतों के मामले में राजस्थान का छठा स्थान यह बताने के लिए काफी है कि यहां सड़क सुरक्षा का पहिया कहीं न कहीं दलदल में धंस चुका है। सबसे बड़ा व्यंग्य यह है कि प्रदेश के कुल सड़क नेटवर्क का मात्र 3.4 प्रतिशत हिस्सा नेशनल हाईवे है लेकिन मौत का सबसे बड़ा कारोबार भी वहीं चलता है। लगता है जैसे इन राजमार्गों पर गति सीमा नहीं, बल्कि यमराज की खुली छूट लिखी हो। स्टेट हाईवे और अन्य सड़कें भी इससे बहुत पीछे नहीं हैं। सड़कें जितनी चौड़ी हुई हैं, उतनी ही संकरी होती गई है-शासन की जिम्मेदारी। विकास का रथ तो दौड़ा लेकिन सुरक्षा की लगाम कहीं रास्ते में ही छूट गई।

दुर्घटनाओं के विश्लेषण में सबसे बड़ा अपराधी 'तेज रफ्तार' सामने आई है। कुल हादसों में 63 प्रतिशत से अधिक दुर्घटनाएं ओवरस्पीडिंग के कारण हुईं, जबकि सड़क हादसों में होने वाली लगभग 83 प्रतिशत मौतों के पीछे भी यही वजह रही। इसके साथ शराब पीकर वाहन चलाना, गलत दिशा में ड्राइविंग, मोबाइल फोन पर बातचीत और हाईवे पर आवारा पशुओं की मौजूदगी आग में घी का काम कर रही है। नियम पुस्तकों में कैद हैं और लापरवाही खुलेआम सड़कों पर परेड कर रही है। सबसे दर्दनाक तथ्य यह है कि इन हादसों में सबसे अधिक शिकार 18 से 25 वर्ष के युवा हो रहे हैं। देश की सबसे ऊजार्वान पीढ़ी सपनों की मंजिल तक पहुंचने से पहले ही सड़क पर दम तोड़ रही है। जयपुर के अजमेर रोड पर हुआ हालिया हादसा केवल एक दुर्घटना नहीं बल्कि व्यवस्था के चेहरे पर पड़ा ऐसा तमाचा है जिसकी गूंज लंबे समय तक सुनाई देनी चाहिए। बस का इंतजार कर रहा एक परिवार पल भर में उजड़ गया।

पिता और तीन मासूम बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मां गंभीर रूप से घायल हुई और चिकित्सकों को उसकी जान बचाने के लिए दोनों पैर काटने पड़े। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना भयावह था कि बच्चों के शव दूर तक जा गिरे। यह दृश्य केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं बल्कि उस व्यवस्था की तस्वीर है जिसने रफ्तार को कानून से बड़ा बना दिया। इस पूरे प्रकरण का सबसे कड़वा सच यह है कि जिस ट्रोले ने यह कहर बरपाया, उसके खिलाफ पहले से 12 यातायात चालान दर्ज थे। इसी वर्ष छह चालान हुए, पांच लंबित रहे, लेकिन वाहन बेखौफ सड़क पर दौड़ता रहा। इससे बड़ा प्रशासनिक व्यंग्य और क्या होगा? लगता है चालान अब दंड नहीं बल्कि सड़क पर मौत का वार्षिक सदस्यता-पत्र बन चुके हैं। यदि बार-बार नियम तोड़ने के बाद भी वाहन सड़कों पर दौड़ते रहें, तो फिर कानून की सख्ती केवल कागजों की शोभा बनकर रह जाती है। आखिर ऐसे वाहनों का पंजीकरण निलंबित क्यों नहीं होता? लंबित चालानों की वसूली समय पर क्यों नहीं होती? तकनीक का ढोल पीटने वाली व्यवस्था लगातार ओवरस्पीडिंग करने वाले भारी वाहनों पर प्रभावी निगरानी क्यों नहीं कर पा रही? सरकार ने अगले दस वर्षों के लिए सड़क सुरक्षा कार्य योजना बनाई है, ट्रॉमा सेंटरों की स्वीकृति भी दी है। यह स्वागतयोग्य कदम है लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल अस्पताल बढ़ाने से दुर्घटनाएं रुक जाएंगी? यदि कुएं में गिरने के बाद रस्सी ढूंढी जाए, तो उसे दूरदर्शिता नहीं कहा जा सकता। आवश्यकता इस बात की है कि हादसे होने ही न दिए जाएं। बार-बार नियम तोड़ने वाले वाहनों का संचालन तत्काल बंद हो, ओवरस्पीडिंग पर त्वरित कार्रवाई हो, इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम प्रभावी बने, ब्लैक स्पॉट सुधारे जाएं और कानून का भय वास्तव में सड़कों पर दिखाई दे। अब समय केवल शोक संदेशों और मुआवजों का नहीं बल्कि जवाबदेही तय करने का है।

हर हादसे के बाद संवेदना व्यक्त करना आसान है लेकिन किसी अगली त्रासदी को रोकना ही असली शासन है। यदि आज भी व्यवस्था नहीं जागी, तो सड़कें विकास की पहचान नहीं बल्कि लापरवाही की कब्रगाह बनती रहेंगी। आखिर हर दुर्घटना के बाद यह प्रश्न हवा में तैरता रहेगा–अगला उजड़ने वाला परिवार किसका होगा?

ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

दरिंदगी समाज पर ये हावी है !

कृष्णेन्द्र राय

ऐ रानी बिटिया, तू माफ कर देना ।
दरिंदगी समाज पर ये हावी है ।।
आ के तू देख मा की हालत को ।
बिन तेरे गोद उसकी सूनी है ।।

पतन मनुष्यता का ।
दरिंदगी का साया ।।
मन में जालिमों के ।
डर नहीं आया ।।

दर्द अपनों को मिला ।
दुःख हुआ है भारी ।।
समाज निर्दयी और ।
हो चुका अत्याचारी ।।

सूडोकु नवताल- 7851

★★★ मध्यम

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7850 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

भारतीय वायुसेना की बढ़ती ताकत

महेन्द्र तिवारी

भारतीय वायुसेना को लेकर हाल ही में सामने आई विश्व स्तर की रैंकिंग ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि आधुनिक युद्ध केवल हथियारों की संख्या से नहीं, बल्कि उनकी गुणवत्ता, संचालन क्षमता, प्रशिक्षण, तकनीकी दक्षता और रणनीतिक तैयारी से जीते जाते हैं। वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मॉडर्न मिलिट्री एयरक्राफ्ट यानी WDMMA द्वारा जारी नवीनतम ग्लोबल एयर पावर रैंकिंग में भारत को चीन से ऊपर स्थान दिया गया है। यह उपलब्धि केवल एक रैंकिंग भर नहीं है, बल्कि पिछले कई वर्षों से भारतीय वायुसेना द्वारा किए जा रहे आधुनिकीकरण, बेहतर प्रशिक्षण, तकनीकी उन्नयन और परिचालन क्षमता में निरंतर सुधार की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली मान्यता भी है। WDMMA ने 103 देशों की 129 सैन्य वायु इकाइयों तथा लगभग 48,082 सैन्य विमानों का अध्ययन करके यह मूल्यांकन तैयार किया है। इसमें केवल विमानों की संख्या नहीं, बल्कि उनकी वास्तविक युद्ध क्षमता, रखरखाव, उपलब्धता, तकनीकी स्तर, प्रशिक्षण, हथियार प्रणाली, लॉजिस्टिक सहायता और भविष्य की क्षमता जैसे अनेक पहलुओं को शामिल किया गया है।

रैंकिंग में अमेरिका की वायुसेना पहले स्थान पर है और उसके बाद अमेरिकी नौसेना तथा रूस की वायुसेना का स्थान आता है। इसके बाद अमेरिकी सेना और मरीन कॉर्प्स की विमानन शाखाएं हैं। भारतीय वायुसेना छठे स्थान पर है जबकि चीन की वायुसेना सातवें स्थान पर है। पहली नजर में यह परिणाम कई लोगों को चौंकाने वाला लग सकता है क्योंकि चीन के पास भारत की तुलना में कहीं अधिक संख्या में सैन्य विमान हैं। फिर भी भारत को आगे रखा गया है।

इसका कारण यह है कि आधुनिक सैन्य मूल्यांकन में केवल संख्या निर्णायक नहीं होती। किसी भी वायुसेना की वास्तविक ताकत इस बात से तय होती है कि वह अपने विमानों का कितनी प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकती है, उसके पायलट कितने प्रशिक्षित हैं, उसकी युद्धक रणनीति कितनी मजबूत है और वह किसी भी संकट की स्थिति में कितनी तेजी से प्रतिक्रिया देने में सक्षम है। भारतीय वायुसेना की सबसे बड़ी विशेषता उसका व्यापक परिचालन अनुभव है।

स्वतंत्रता के बाद से भारत ने अनेक युद्धों, सीमित सैन्य अभियानों, आतंकवाद विरोधी अभियानों तथा मानवीय राहत कार्यों में अपनी वायु शक्ति का सफल उपयोग किया है। चाहे 1971 का युद्ध हो, कारगिल संघर्ष हो या हाल के वर्षों में सीमा पर उत्पन्न तनावपूर्ण परिस्थितियां, भारतीय वायुसेना ने समय पर, सटीक और प्रभावी कार्रवाई करके अपनी क्षमता का परिचय दिया है। इस लंबे अनुभव ने उसे केवल तकनीकी रूप से ही नहीं बल्कि रणनीतिक रूप से भी अधिक परिपक्व बनाया है। भारत ने पिछले एक दशक में वायुसेना के आधुनिकीकरण पर विशेष ध्यान दिया है। आधुनिक लड़ाकू विमान, लंबी दूरी की मिसाइलें, उन्नत रडार, नेटवर्क आधारित युद्ध प्रणाली, स्वदेशी तकनीकों का बढ़ता उपयोग और निगरानी क्षमता में उल्लेखनीय सुधार ने भारतीय वायुसेना को नई शक्ति प्रदान की है। फ्रांस से प्राप्त राफेल लड़ाकू विमानों ने भारतीय वायुसेना की मारक क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि की है।

इनके साथ आधुनिक मिसाइल प्रणालियां और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली भी जुड़ी हुई हैं, जिससे किसी भी संभावित संघर्ष में भारत की प्रतिक्रिया क्षमता पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत हुई है। साथ ही तेजस जैसे स्वदेशी लड़ाकू विमान भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। भारत की भौगोलिक स्थिति भी उसकी वायु रणनीति को विशेष महत्व देती है। एक ओर पाकिस्तान की सीमा है तो दूसरी ओर चीन जैसी बड़ी सैन्य शक्ति। उत्तर में ऊंचे पर्वतीय क्षेत्र, पश्चिम में रेगिस्तान, पूर्वोत्तर के कठिन पर्वतीय इलाके और दक्षिण में विशाल समुद्री क्षेत्र भारतीय वायुसेना के सामने विविध प्रकार की चुनौतियां प्रस्तुत करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में किसी भी वायुसेना को बहुआयामी क्षमता विकसित करनी पड़ती है। भारतीय वायुसेना ने इन सभी परिस्थितियों के अनुरूप प्रशिक्षण और संसाधनों का विकास किया है। यही कारण है कि उसकी परिचालन क्षमता को विश्व स्तर पर सराहा जा रहा है।

चीन के पास विमानों की संख्या अधिक होने के बावजूद भारत का आगे आना यह भी दशार्ता है कि आधुनिक युद्ध में गुणवत्ता का महत्व लगातार बढ़ रहा है। किसी देश के पास हजारों विमान होने से वह स्वतः सबसे शक्तिशाली नहीं बन जाता। यदि उन विमानों का रखरखाव, प्रशिक्षण, तकनीकी उन्नयन और युद्ध के समय उनका समन्वित उपयोग प्रभावी नहीं है तो संख्या का लाभ सीमित हो जाता है। WDMMA का मूल्यांकन इसी व्यापक दृष्टिकोण पर आधारित है। इसी कारण भारतीय वायुसेना को उसके वास्तविक परिचालन प्रदर्शन और समग्र युद्ध क्षमता के आधार पर बेहतर स्थान मिला है।

हालांकि यह उपलब्धि महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत के सामने कई चुनौतियां भी मौजूद हैं। भारतीय वायुसेना लंबे समय से अपने स्वीकृत लड़ाकू स्क्वाड्रनों की संख्या से कम स्क्वाड्रनों के साथ कार्य कर रही है। पुराने लड़ाकू विमानों को चरणबद्ध तरीके से सेवा से हटाया जा रहा है और उनकी जगह नए विमानों की आवश्यकता लगातार बनी हुई है। आने वाले वर्षों में तेजस के नए संस्करण, उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान कार्यक्रम और पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान परियोजना जैसे कार्यक्रमों की सफलता भारत की वायु शक्ति को और अधिक मजबूत बनाएगी। भविष्य के युद्धों का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। अब केवल लड़ाकू विमान ही निर्णायक नहीं होंगे बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मानव रहित विमान, स्वार्म ड्रोन, साइबर युद्ध, अंतरिक्ष आधारित निगरानी, नेटवर्क आधारित कमान प्रणाली और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध जैसी तकनीकें भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। भारत इन क्षेत्रों में भी तेजी से निवेश कर रहा है। रक्षा अनुसंधान संस्थानों और निजी उद्योगों की भागीदारी बढ़ने से देश की रक्षा उत्पादन क्षमता में सुधार हो रहा है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत रक्षा उपकरणों का स्वदेशी निर्माण भविष्य में भारत की सामरिक स्वतंत्रता को और मजबूत करेगा। भारतीय वायुसेना केवल युद्ध लड़ने वाली संस्था नहीं है। प्राकृतिक आपदाओं, बाढ़, भूकंप, महामारी और अन्य संकटों के समय भी उसने हजारों लोगों की जान बचाई है। राहत सामग्री पहुंचाना, दूरदराज के क्षेत्रों से नागरिकों को निकालना, विदेशों से भारतीयों की सुरक्षित वापसी और मानवीय सहायता पहुंचाना उसके नियमित कार्यों का हिस्सा बन चुका है। इस कारण भारतीय वायुसेना की छवि केवल एक सैन्य शक्ति की नहीं बल्कि राष्ट्रीय सेवा के विश्वसनीय संगठन की भी है।

आज दुनिया में सैन्य शक्ति का अर्थ केवल आक्रमण की क्षमता नहीं बल्कि प्रभावी प्रतिरोध की क्षमता भी है। मजबूत वायुसेना किसी भी देश के लिए सुरक्षा कवच का कार्य करती है। यदि किसी देश की वायु शक्ति सक्षम होती है तो संभावित विरोधी भी आक्रामक कदम उठाने से पहले कई बार सोचने को विवश होता है। भारत की बढ़ती वायु शक्ति इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह क्षेत्रीय स्थिरता और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों को मजबूत करती है।

ये लेखक के अपने विचार हैं तरुणमित्र का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

आज का राशिफल

मेष- कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी।

वृष- अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे।

मिथुन- कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा।

कर्क- कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुखदायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी।

सिंह- रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा।

कन्या- धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे।

तुला- पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे।

वृश्चिक- अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा।

धनु- हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। परिवारजन का सहयोग मिलेग। काम आसानी से बनते चले जाएंगे।

मकर- परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आर्थिक लाभ के लिए किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा।

कुंभ- विद्यार्थियों को लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा।

मीन- शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

पं0 सुभाष पाण्डेयः हस्तरेखा विशेषज्ञ, मो. 8808052918

देर रात ओएनसी व सेंट्रल प्वाइंट बार में पुलिस का छापा

नियम तोड़ने पर मैनेजरों पर कार्रवाई

कोरबा। जिले में चलाए जा रहे ₹सजग कोरबा, सतर्क कोरबा₹ अभियान के तहत कोरबा पुलिस ने बीती देर रात बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के दो प्रमुख बारों पर आकस्मिक छापेमारी की।

पुलिस ने पाम मॉल स्थित ओएनसी (वन नाईट क्लब) और सेंट्रल प्वाइंट बार में आबकारी नियमों और निर्धारित समय का उल्लंघन करते हुए ग्राहकों को शराब परोसे जाने की शिकायतों के आधार पर कार्रवाई की। जांच के दौरान दोनों प्रतिष्ठानों में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर बार मैनेजरों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आबकारी नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि पाम मॉल स्थित ओएनसी और सेंट्रल प्वाइंट स्थित बार में निर्धारित समय के बाद भी शराब परोसी जा रही है और देर रात तक पार्टी आयोजित की जा रही है। शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस

अधीक्षक लखन पटले के नेतृत्व में पुलिस टीम ने देर रात दोनों बारों में अचानक छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने पाया कि दोनों प्रतिष्ठानों में आबकारी नियमों का उल्लंघन करते हुए ग्राहकों को शराब परोसी जा रही थी। इसके बाद दोनों बारों के मैनेजरों को थाना लाकर उनके विरुद्ध संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है।

गौरतलब है कि हाल ही में पाम मॉल स्थित ओएनसी से देर रात शराब पीकर निकले एक व्यक्ति ने अपनी स्कॉर्पियो वाहन को लापरवाहीपूर्वक मॉल की सीढ़ियों पर चढ़ाने का प्रयास किया था। इस घटना के बाद कोरबा पुलिस ने आरोपित रमन सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया था। इस घटना के बाद से देर रात संचालित होने वाले बारों और क्लबों पर पुलिस की निगरानी और सख्त कर दी गई है। कोरबा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि ₹सजग कोरबा, सतर्क कोरबा₹ अभियान के तहत कानून का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति, होटल, बार या अन्य प्रतिष्ठान के खिलाफ भविष्य में भी इसी तरह कठोर और प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस ने बार संचालकों को निर्धारित समय, आबकारी नियमों और कानून का पूरी तरह पालन करने की सख्त हिदायत भी दी है।

हेडमास्टर का शराब के नशे में वीडियो वायरल, लोगों में नाराजगी

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के रामानुजनगर विकासखंड अंतर्गत साल्ही गांव के खोरखोरीपारा प्राथमिक शाला में पदस्थ प्रधान पाठक (हेडमास्टर) का कथित रूप से शराब के नशे में धुत्त होकर जमीन पर पड़े रहने और गाली-गलौज करने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना सामने आने के बाद ग्रामीणों में भारी नाराजगी है और शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। वायरल वीडियो में प्रधान पाठक हरिनंदन सिंह कथित रूप से नशे की हालत में जमीन पर पड़े दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में वे आसपास मौजूद लोगों और ग्रामीणों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते भी नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह घटना स्कूल परिसर के अंदर की है, जिसने शिक्षा के मंदिर की गरिमा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना के बाद ग्रामीणों ने संबंधित शिक्षक के खिलाफ कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि जिस शिक्षक पर बच्चों के भविष्य को संवारने की जिम्मेदारी है, यदि वही इस तरह का आचरण करेगा तो शिक्षा व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कमजोर होगा। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला शिक्षा विभाग के अधिकारियों के संज्ञान में पहुंच गया है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक विभाग की ओर से कोई आधिकारिक कार्रवाई सामने नहीं आई थी। कार्रवाई में देरी को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है और दोषी शिक्षक पर शीघ्र अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की जा रही है।

बालिका की आत्महत्या के बाद 'आई सी मार्ट' सील, परिजनों ने लगाया प्रताड़ना का आरोप

कोरिया। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर से एक बेहद दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक 17 वर्षीय नाबालिग बालिका ने कथित मानसिक प्रताड़ना और ब्लैकमेलिंग से तंग आकर बुधवार दोपहर मौत को गले लगा लिया। पुलिस लाइन क्षेत्र की रहने वाली यह छात्रा अपनी बहन के साथ स्थानीय 'आई सी मार्ट' में खरीदारी करने गई थी, लेकिन वहाँ जो कुछ हुआ उसने उसे आत्मघाती कदम उठाने पर मजबूर कर दिया।

परिजनों का गंभीर आरोप है कि मार्ट प्रबंधन ने दोनों बहनों पर चोरी का झूठा आरोप लगाते हुए उन्हें बंधक जैसी स्थिति में रखा, एक-एक सामान की लिस्ट बनवाई और दबाव डालकर बालिका से चोरी कबूलने का एक लिखित बयान ले लिया, जिस पर जबरन उसके हस्ताक्षर भी कराए गए। बात सिर्फ यहीं खत्म नहीं हुई; आरोप है कि मार्ट के स्टाफ ने मामले को रफा-दफा करने के एवज में पहले 20 हजार और फिर 50 हजार रुपये की मोटी रकम मांगी और गारंटी के तौर पर बालिका की स्कूटी भी जबरन अपने कब्जे में रख ली।

जब मृतका के पिता शिवनाथ सिंह, जो खुद पुलिस विभाग में कार्यरत हैं, मार्ट पहुंचे तो उनके साथ भी संवेदनहीन व्यवहार किया गया। उनसे भी 50 हजार रुपये की मांग दोहराई गई और पैसे न देने पर स्कूटी लौटाने से साफ इनकार कर दिया गया। इस अप्रत्याशित अपमान, सामाजिक बदनामी के डर और भारी मानसिक तनाव के कारण बालिका गहरे अवसाद में चली गई और आखिरकार बुधवार दोपहर उसने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र व्यास के निधन पर जताया शोक

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने प्रेस क्लब राजनांदगांव के संरक्षक, दैनिक ₹अमृत संदेश₹ के जिला ब्यूरो चीफ एवं वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र व्यास के बुधवार को निधन होने पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने आज गुरुवार को जारी अपने शोक संदेश में कहा कि स्व. व्यास का निधन पत्रकारिता जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने दशकों तक पूरी निष्ठा, ईमानदारी और प्रखरता के साथ पत्रकारिता के मूल्यों का निर्वहन किया। राजनांदगांव सहित पूरे प्रदेश में जनसरोकार की खबरों को प्रमुखता से उठाने में उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा। श्री देव ने कहा कि स्व. व्यास ने मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. मोतीलाल वोरा और ₹अमृत संदेश₹ के संस्थापक संपादक स्व. गोविन्दलाल वोरा की समृद्ध वैचारिक एवं पत्रकारिता की विरासत को पूरी शालीनता के साथ आगे बढ़ाया। उनका जाना छत्तीसगढ़ के पत्रकारिता जगत के एक मार्गदर्शक स्तंभ का ढह जाना है। श्री देव ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिवारजनों, मित्रों और पत्रकार साथियों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

बस्तर के कुरंदी में मिले बाघ के पंजे के निशान, वन विभाग ने जारी किया अलर्ट

जगदलपुर। बस्तर जिले के दरभा क्षेत्र के ग्राम कुरंदी में लगभग 1 दशक बाद बाघ ने दस्तक दी है। गांव के खेतों और जंगल के किनारे बड़े आकार के ताजा पगमार्क मिलने के बाद वन विभाग ने पूरे इलाके में अलर्ट जारी कर दिया है। कुछ दिन पहले केकरा-चेरबेहार क्षेत्र में भी बाघ का मूवमेंट होने की जानकारी सामने आई थी। वन विभाग की ट्रैकिंग टीमें जंगल में लगातार सर्चिंग कर रही हैं, जबकि ट्रैप कैमरा और वैज्ञानिक जांच के जरिए यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि निशान बाघ के हैं या किसी अन्य बड़े वन्यजीव के। ग्रामीणों के मुताबिक खेतों से सटे जंगल में बड़े आकार के ताजा पंजों के निशान दिखाई दिए हैं। निशान इतने स्पष्ट हैं कि लोगों ने इसे बड़े बाघ की मौजूदगी का संकेत माना है। इसके बाद से ग्रामीणों ने शाम ढलने के बाद जंगल और खेतों की ओर जाना कम कर दिया है। मवेशियों को खुले में छोड़ने के बजाय सुरक्षित बाड़ों में बांधा जा रहा है। कुरंदी वही क्षेत्र है जहां करीब 10 साल पहले भी बाघ की मौजूदगी दर्ज की गई थी। उस समय एक ग्रामीण पर हमला भी किया था। अब उसी क्षेत्र में दोबारा बड़े पगमार्क मिलने से वन विभाग ने अलर्ट जारी कर दिया है। वन विभाग ने ग्रामीणों से अकेले जंगल न जाने, बच्चों पर विशेष नजर रखने और मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर बांधने की अपील की है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या वन्यजीव की सूचना तत्काल वन विभाग को देने के निर्देश दिए गए हैं।

छत्तीसगढ़ में अब एक अप्रैल से शुरू होगा नया शैक्षणिक सत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा विभाग ने राज्य की स्कूली शिक्षा व्यवस्था में एक ऐतिहासिक और बड़ा बदलाव करने का निर्णय लिया है। आगामी शैक्षणिक वर्ष 2027-28 से छत्तीसगढ़ में शिक्षा सत्र का संचालन अब प्रतिवर्ष 01 अप्रैल से 31 मार्च तक किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण निर्णय के संबंध में स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय को पत्र भेजकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

जारी निदेशों के अनुसार, वर्तमान में राज्य में संचालित होने वाले 16 जून से 30 अप्रैल के शिक्षा सत्र को अब समाप्त कर दिया जाएगा। इसके स्थान पर देश के अन्य प्रमुख शिक्षा बोर्डों और मंडलों के समान ही अब छत्तीसगढ़ में भी नया सत्र 01 अप्रैल से प्रारंभ होकर अगले वर्ष 31 मार्च तक चलेगा। हालांकि, छात्रों को मिलने वाले ग्रीष्मकालीन अवकाश में कोई कटौती नहीं की गई है; 01 मई से 15 जून तक का ग्रीष्मकालीन अवकाश पहले की तरह ही यथावत रहेगा।

इस नए बदलाव को पूरी तरह प्रभावी बनाने के लिए विभाग ने कड़े निर्देश दिए हैं। अब से हर साल 01 अप्रैल को सत्र शुरू होने के साथ ही शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन, निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण, सरस्वती सायकल योजना के तहत सायकलों का वितरण, स्कूली गणवेश (यूनिफॉर्म) का वितरण, अन्य सभी छात्रहितैषी योजनाएं और गतिविधियां अनिवार्य रूप से प्रारंभ कर दी जाएंगी।

शासन का मानना है कि इस व्यवस्था से विद्यार्थियों को शैक्षणिक सत्र के शुरूआती दिनों से ही पढ़ाई के लिए सभी आवश्यक सामग्रियां और सुविधाएं समय पर मिल सकेंगी। इससे न केवल छात्रों का समय बचेगा, बल्कि विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था भी अधिक प्रभावी, सुव्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण रूप से संचालित हो सकेगी।

संदिग्ध किरायेदारों की सघन धरपकड़ और भौतिक सत्यापन अभियान शुरू

अम्बिकापुर। नगर निगम के सक्रिय पार्षद आलोक दुबे द्वारा सरगुजा रेंज के आईजी दीपक झा को सौंपे गए एक बेहद संवेदनशील और आंखें खोल देने वाले शिकायती पत्र के बाद पुलिस महकमा पूरी तरह से एक्शन मोड में आ गया है। शहर की शांति व्यवस्था को संभावित खतरे से बचाने के लिए पुलिस बलों ने आज गुरुवार सुबह से ही गांधीनगर, कोतवाली और मणिपुर थाना क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले विभिन्न संवेदनशील इलाकों में बिना सत्यापन रह रहे बाहरी और संदिग्ध किरायेदारों की सघन जांच और भौतिक सत्यापन का एक बड़ा अभियान छेड़ दिया है।

उल्लेखनीय है कि पार्षद आलोक दुबे ने पुलिस महानिरीक्षक को सौंपे अपने ज्ञापन में बेहद चौंकाने वाले खुलासे किए थे। उन्होंने प्रामाणिक संदर्भ देते हुए बताया कि किस प्रकार झारखंड के धनबाद में दोहरे हत्याकांड को अंजाम देने वाला शातिर अपराधी शाबिर अहमद नाम बदलकर पिछले 13 वर्षों से मोमिनपुरा इलाके में न केवल छुपा हुआ था, बल्कि आराम से अपना व्यवसाय भी संचालित कर रहा था। इस गंभीर घटना का हवाला देते हुए उन्होंने आशंका जताई है कि यदि समय रहते कड़े कदम नहीं उठाए गए, तो बेहद

शांत और सुरक्षित माना जाने वाला सरगुजा क्षेत्र बाहरी अपराधियों के लिए एक सुरक्षित चारागाह में तब्दील हो जाएगा। आईजी को सौंपे पत्र में इस बात पर गहरा सरोकार जताया गया है कि शहर के कई क्षेत्रों में मकान मालिक केवल मासिक किराए के लालच में बिना किसी पहचान पत्र, पूर्व इतिहास या पुलिस वेरिफिकेशन के बाहरी प्रांतों से आने वाले अज्ञात लोगों को छोटे-छोटे कमरों में पनाह दे रहे हैं, जो स्थानीय सुरक्षा के लिहाज से एक बेहद खतरनाक प्रवृत्ति है।

पत्र में विशेष रूप से गांधीनगर थाना क्षेत्र के सुभाषनगर, डिगमा, भगवानपुर सहित कोतवाली क्षेत्र के मोमिनपुरा, नवागढ़, श्रीगढ़, बरेजपारा और रसूलपुर जैसे घने आउटर इलाकों को चिन्हित किया गया है। पत्र के अनुसार, पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद भारी संख्या में संदिग्ध लोग, जिनके बांग्लादेशी नागरिक होने की भी प्रबल आशंका है, इन क्षेत्रों में आकर रह रहे हैं। ये लोग स्थानीय स्तर पर बाल खरीदने और उसके बदले छोटे बर्तन बेचने जैसे साधारण कार्यों की आड़ में संदिग्ध गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। इसके अतिरिक्त, कई बाहरी महिलाएं भी बिना किसी ठोस परिचय और वारिसानों के इन किराए के मकानों में निवास कर रही हैं, जिनकी वास्तविक जानकारी किसी भी जिम्मेदार प्रशासनिक विभाग के पास उपलब्ध नहीं है।

शिकायती पत्र में यह गंभीर आरोप भी लगाया गया है कि इन अनियंत्रित और असत्यापित किराएदारों की आड़ में शहर के बाहरी इलाकों में अवैध गांजा तस्करी, ब्राउन शुगर, कोरेक्स जैसी घातक नशीली दवाओं की बिक्री और देह व्यापार जैसे गंभीर सामाजिक व कानूनी अपराध तेजी से पनप रहे हैं। इस भयावह स्थिति को देखते हुए पार्षद ने चेतावनी दी थी कि यदि इन लोगों की पूरी शारीरिक और प्रशासनिक जांच नहीं की गई, तो शहर में फिरौती और संगठित अपराधों की एक नई और खतरनाक प्रथा शुरू हो सकती है।

पिकअप से पशु तस्करी करते दो आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर। जिले के बसंतपुर पुलिस ने पिकअप वाहन में क्रूरता पूर्वक पशुओं की तस्करी कर उत्तर प्रदेश ले जा रहे दो आरोपितों को बुधवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वाहन से तीन भैंसों को भी बरामद किया है। मामले में छत्तीसगढ़ पशु परिरक्षण अधिनियम और पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

बलरामपुर पुलिस द्वारा आज गुरुवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, 7 जुलाई को मुखबिर से सूचना मिली थी कि पिकअप वाहन क्रमांक यूपी 61 बीटी 8960 में पशुओं को भरकर उत्तर प्रदेश के बूचड़खाने ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही बसंतपुर थाना गेट के सामने नाकाबंदी की गई। इसी दौरान संदिग्ध पिकअप वाहन को रोककर जांच की गई।

जांच के दौरान वाहन में तीन भैंसों को ठूंस-ठूंसकर भरकर ले जाया जाना पाया गया। पुलिस ने वाहन चालक और उसके साथी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अमन यादव (20), निवासी मुतीर्खुर्दन, थाना सिधौरा, जिला बलरामपुर (उत्तर प्रदेश) तथा साहिल कुमार (20), निवासी पहाड़पुर हलधर दौलतपुर, थाना सैदपुर, जिला गाजीपुर (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 4, 6, 10 तथा पशु क्रूरता अधिनियम की धारा 11(1-घ) के तहत अपराध दर्ज किया है। कार्रवाई के बाद दोनों आरोपितों को आज गुरुवार को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। इस कार्रवाई में प्रशिक्षु उप निरीक्षक मनीष साहू, प्रधान आरक्षक विनोद सागर और आरक्षक विवेक कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अब कक्षा पहली में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु छह वर्ष निर्धारित

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत सरकार का बड़ा फैसला

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने एक बड़ा निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने आगामी शैक्षणिक सत्र से प्रदेश के सभी विद्यालयों में कक्षा पहली में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु सीमा 6 वर्ष निर्धारित कर दी है। इस संबंध में स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने संबंधित विभागों और सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं।

स्कूल शिक्षा सचिव द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, बच्चों के फाउंडेशनल स्टेज को मजबूत करने और प्राथमिक स्तर पर प्रवेश प्रक्रिया में एकरूपता लाने के लिए संबंधित शैक्षणिक सत्र के 01 अप्रैल को बच्चे की आयु के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। विभिन्न कक्षाओं के लिए आयु सीमा इस प्रकार निर्धारित की गई है। नर्सरी (बालवाटिका-1)- 3 वर्ष से अधिक एवं 4 वर्ष से कम होनी चाहिए। इसी प्रकार केजी-1 (बालवाटिका-2)- 4 वर्ष से अधिक एवं 5 वर्ष से कम, केजी-2 (बालवाटिका-3)- 5 वर्ष से अधिक एवं 6 वर्ष से कम, कक्षा पहली में- 6 वर्ष से अधिक एवं 7 वर्ष से कम होनी चाहिए। अभिभावकों और बच्चों की सुविधा के लिए शासन ने नियमों में थोड़ी शिथिलता भी दी है। इसके तहत यदि कोई बच्चा 01 अप्रैल को निर्धारित आयु पूरी नहीं कर पा रहा है, लेकिन 01 जुलाई तक उसकी आवश्यक आयु पूर्ण हो जाती है, तो उसे अधिकतम तीन माह की छूट प्रदान करते हुए संबंधित कक्षा में प्रवेश दिया जा सकेगा। यह नई व्यवस्था राज्य के सभी शासकीय, अशासकीय (निजी) और अनुदान प्राप्त विद्यालयों पर समान रूप से लागू होगी। साथ ही, शिक्षा का अधिकार (फळए) के अंतर्गत निजी विद्यालयों की 25 प्रतिशत आरक्षित सीटों पर होने वाले प्रवेशों पर भी यह नियम पूरी तरह प्रभावी रहेगा। विभागीय निर्देशों के अनुसार, यदि कोई छात्र किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय की पूर्व-प्राथमिक (ढ१ी-ढ१ङ्१८) कक्षा से पास होकर (प्रोन्नत होकर) सीधे कक्षा पहली में प्रवेश ले रहा है, तो उस पर यह नई आयु सीमा लागू नहीं होगी। ऐसे छात्रों को उनके स्थानांतरण प्रमाण-पत्र(ळड), अंकसूची या स्कोर कार्ड में दर्ज जन्मतिथि के आधार पर ही प्रवेश दे दिया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने अधीनस्थ विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, संकुल समन्वयकों और सभी शाला प्रमुखों के माध्यम से इन नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराएं। इसके साथ ही, अभिभावकों की जानकारी और सुविधा के लिए इन नए प्रावधानों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने मवेशियों को रौंदा, छह की मौके पर मौत

कोरबा। जिले के उरगा थाना क्षेत्र में आज गुरुवार सुबह तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आने से छह मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा कुदुरमाल भाटापारा स्थित धनराज पेट्रोल पंप के पास हुआ। घटना के बाद इलाके में आक्रोश फैल गया। गुस्साए ग्रामीणों ने ट्रेलर चालक का पीछा कर उसे पकड़ लिया और उरगा पुलिस के हवाले कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गुरुवार सुबह एक ट्रेलर तेज गति से कुदुरमाल की ओर जा रहा था। इसी दौरान धनराज पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे खड़े और सड़क पार कर रहे मवेशियों का झुंड अचानक उसकी चपेट में आ गया। चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और ट्रेलर सीधे मवेशियों के बीच घुस गया। हादसे में छह मवेशियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन स्थानीय ग्रामीणों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। बाद में चालक को उरगा पुलिस के सुपुर्द किया गया। घटना की सूचना मिलते ही उरगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृत मवेशियों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, जबकि घायल मवेशियों का उपचार शुरू कराया गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में भारी वाहनों की तेज रफ्तार पर नाराजगी जताई। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग पर ट्रेलर और डंपर अक्सर तेज गति से चलते हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। सड़क किनारे और बीच में अक्सर मवेशियों का जमावड़ा रहता है, जिसके कारण दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है।

महास्नान के बाद 'अस्वस्थ' महाप्रभु जगन्नाथ को लगाया जा रहा आमरस और जामुन के काढ़े का भोग

दादरखुर्द की 125 वर्ष पुरानी रथयात्रा 16 जुलाई को

कोरबा। आषाढ़ माह की शुक्ल पक्ष द्वितीया पर आयोजित होने वाली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा को लेकर जिले के विभिन्न गांवों में तैयारियां तेज हो गई हैं। शहर से लगे ग्राम दादरखुर्द की रथयात्रा जिले की सबसे प्राचीन और प्रसिद्ध रथयात्राओं में गिनी जाती है। यहां पिछले 125 वर्षों से भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की रथयात्रा परंपरागत श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाली जाती है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार आषाढ़ कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा पर महास्नान के बाद भगवान जगन्नाथ अस्वस्थ हो जाते हैं। इसी परंपरा के तहत मंदिर के पट फिलहाल बंद हैं और भगवान को इन दिनों आमरस तथा जामुन के काढ़े का भोग अर्पित किया जा रहा है। साथ ही उड़द की खिचड़ी का प्रसाद भी चढ़ाया जा

रहा है। मंदिर परिसर में प्रतिदिन भजन-कीर्तन का आयोजन हो रहा है और श्रद्धालु भगवान के स्वस्थ होने तथा मंदिर के पट खुलने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मंदिर के पुजारी रामेश्वर प्रसाद द्विवेदी ने बताया कि, 16 जुलाई को ब्रह्ममुहूर्त में मंदिर के पट खोले जाएंगे। इसके बाद भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की सुसज्जित प्रतिमाओं को भव्य रथ पर विराजमान कर पूरे गांव में नगर भ्रमण कराया जाएगा। रथयात्रा में जिलेभर से हजारों श्रद्धालु शामिल होकर रथ खींचने का पुण्य लाभ प्राप्त करते हैं। इस अवसर पर गांव में विशाल मेले का भी आयोजन होता है।

ग्रामीणों के अनुसार, दादरखुर्द में रथयात्रा की शुरूआत थवाईत परिवार ने की थी। परिवार के सदस्य वर्षों पहले जगन्नाथपुरी की यात्रा से लौटे तो वहां की परंपरा से प्रेरित होकर गांव में भी रथयात्रा शुरू की। तभी से यह धार्मिक परंपरा लगातार निभाई जा रही है और आज यह जिले की ऐतिहासिक रथयात्राओं में शामिल हो चुकी है।

ग्राम दादर विकास समिति के सचिव कृष्णा द्विवेदी ने बताया कि, आयोजन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसे देखते हुए प्रशासन से पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, रथयात्रा के दिन ड्राई डे घोषित करने तथा गांव तक सिटी बस सेवा संचालित करने की मांग की जाएगी। उनका कहना है कि निजी वाहनों के कारण पार्किंग की समस्या उत्पन्न होती है, जबकि बस सेवा शुरू होने से श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी और यातायात व्यवस्था भी सुचारु रहेगी।

उन्होंने यह भी कहा कि दादरखुर्द की 125 वर्ष पुरानी रथयात्रा जिले की ऐतिहासिक धरोहर है, इसलिए प्रशासन को इसे जिला महोत्सव का स्वरूप देने पर विचार करना चाहिए। इससे इस धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा को और अधिक पहचान मिलेगी।

स्वामी, तरुणमित्र मीडिया प्रा. लिमिटेड, प्रकाशक : योगेन्द्र विश्वकर्मा द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11- प्रेस काम्प्लेक्स जोन-1 एमपी भोपाल से मुद्रित व एमपी-1 से प्रकाशित संपादक : योगेन्द्र विश्वकर्मा, स्थानीय संपादक- आर पी सिंह Mobile-91-9893982060,
Email-mptmnp@gmail.com, website. www.tarunmitra.in RNI NO-MPHIN/2021/79825* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के तहत उत्तरदायी। समस्त विवाद भोपाल न्यायालय के अधीन होंगे।

मुख्यमंत्री ने कामदगिरि परिक्रमा कर की चित्रकूट व प्रदेश के सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना

चित्रकूट, 09 जुलाई (तरुणमित्र)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने जनपद चित्रकूट प्रवास के दूसरे दिन प्रभु श्रीराम की तपोभूमि एवं धर्मनगरी चित्रकूट में विधि-विधानपूर्वक पूजन-अर्चन कर भगवान श्री कामतानाथ के दर्शन किए तथा पावन कामदगिरि परिक्रमा कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति एवं जनकल्याण की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री ने बरहा हनुमान मंदिर से अपनी परिक्रमा प्रारंभ करते हुए रघुवर किशोर मंदिर के दर्शन किए तथा श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ भगवान श्री कामतानाथ की पावन परिक्रमा संपन्न की। परिक्रमा के दौरान राम मोहल्ला में संत मदन गोपाल दास ने पूजन-अर्चन कराया। प्रथम मुखारविंद पर पुजारी सीताशरण ने वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य विधिवत पूजा संपन्न कराई। भारत मिलाप मंदिर में महंत राम मनोहर दास ने भगवान भरत के चरणचिह्नों का पूजन एवं आरती कराई। बरहा हनुमान मंदिर में मंदिर के पुजारी द्वारा श्री हनुमान जी का विधिवत पूजन-अर्चन एवं आरती कराई गई। कामदगिरि महाआरती स्थल पर आचार्य विपिन विराट ने माननीय मुख्यमंत्री जी के करकमलों से भगवान श्री कामतानाथ की महाआरती एवं पूजन संपन्न कराया। इस अवसर पर आचार्य विपिन विराट जी ने माननीय मुख्यमंत्री जी को कामदगिरि का चित्र एवं रामनामी अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। वहीं कामदगिरि क्षेत्र के सभासद अरुण कुमार त्रिपाठी 'जुगल' ने भगवान श्री कामतानाथ का चित्र एवं अंगवस्त्र भेंट कर उनका स्वागत किया। महाआरती के अवसर पर तुलसी पीठ के रामचंद्र दास जी, भारत मंदिर के महंत दिव्य जीवनदास सहित अनेक संत-महात्मा एवं महंतगण उपस्थित रहे। परिक्रमा के दौरान सम्पूर्ण परिक्रमा क्षेत्र के श्रद्धालुओं द्वारा लगाए जा रहे जय श्रीराम एवं मुख्यमंत्री के जयघोष से भक्तिमय वातावरण में गुंजायमान रहा। मुख्यमंत्री ने मार्ग में उपस्थित छोटे-छोटे बच्चों से आत्मीय संवाद कर उनकी पढ़ाई के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा उन्हें ट्रॉफी एवं चॉकलेट वितरित कर प्रोत्साहित किया। उन्होंने बच्चों को स्नेहपूर्वक गोद में लेकर उनका उत्साहवर्धन भी किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने परिक्रमा मार्ग में बंदरों एवं गौवंश को चना एवं गुड़ खिलाकर जीवों के प्रति अपनी संवेदनशीलता एवं करुणा का परिचय दिया। परिक्रमा पूर्ण करने के उपरांत मुख्यमंत्री सर्किट हाउस पहुंचे, जहां उन्होंने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत हरिशंकरी का पौधरोपण किया। इसके पश्चात उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से भेंट कर संवाद किया। जनपद चित्रकूट से जनपद बांदा के लिए प्रस्थान के अवसर पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान कर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इस अवसर पर राज्य मंत्री, लोक निर्माण विभाग बृजेश सिंह, आयुक्त चित्रकूटधाम मंडल बांदा अजीत कुमार, पुलिस उपमहानिरीक्षक परिक्षेत्र बांदा राजेश एस., जिलाधिकारी पुलकित गर्ग, पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी डी.पी. पाल, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) चंद्रशेखर, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) अरुण कुमार, भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य, नगर पालिका परिषद कर्वी के अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, पूर्व सांसद आर.के. सिंह पटेल एवं भैरव प्रसाद मिश्रा, सहित अन्यजनप्रतिनिधिगण, संत-महात्मा, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश के प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति रही।

आस्था मंदिर के रास्ते पर बदहाली, चौपड़ा धाम राठ जाने वाली सड़क वर्षों से जर्जर

हमीरपुर, 09 जुलाई (तरुणमित्र)। विकास के दावों के बीच राठ कस्बे के प्रसिद्ध चौपड़ा धाम मंदिर तक जाने वाला मार्ग बदहाली की कहानी बयां कर रहा है। वर्षों से जर्जर पड़ी इस सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे और उनमें भरा गंदा पानी श्रद्धालुओं की आस्था की राह में बड़ी बाधा बन चुके हैं। बारिश होते ही पूरी सड़क तालाब में तब्दील हो जाती है और मंदिर तक पहुंचना किसी चुनौती से कम नहीं रहता। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क की दुर्दशा को लेकर नगर पालिका प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से कई बार शिकायत की गई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन मिले। न सड़क की मरम्मत हुई और न ही जल निकासी की कोई स्थायी व्यवस्था की गई। नतीजा यह है कि हर बारिश के साथ हालात और बदतर होते जा रहे हैं। तेज धूप में धूल उड़ती रहती है। गहरे गड्ढों में भरे पानी के कारण दोपहिया वाहन चालक फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा उठाते हैं, जबकि बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे जान जोखिम में डालकर इस मार्ग से गुजरने को मजबूर हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि जिस मार्ग से प्रतिदिन लोग आस्था के साथ मंदिर पहुंचते हैं, वही मार्ग अब प्रशासनिक उपेक्षा का प्रतीक बन गया है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब नगर के प्रमुख धार्मिक स्थल तक जाने वाली सड़क की सुध लेने वाला कोई नहीं है, तो आम गलियों और मोहल्लों की स्थिति का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

महरौनी में मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा एवं डीबीटी योजना का शुभारंभ

महरौनी, ललितपुर , 09 जुलाई (तरुणमित्र)। ब्लॉक संसाधन केंद्र महरौनी में मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा एवं डीबीटी योजना के शुभारंभ अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा वाराणसी (बाबा विश्वनाथ की नगरी) से आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नगर पंचायत महरौनी प्रतिनिधि दुष्यंत बड़ोनिया के मुख्य आतिथ्य तथा खंड शिक्षा अधिकारी राजकुमार पुरोहित के सानिध्य में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा महरौनी मंडल अध्यक्ष दीपक तिवारी 'मोना' भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राज्यपाल पुरस्कृत शिक्षक हृदेश देव गोस्वामी ने किया, जबकि अंत में जगदीश सिंह परिहार एवं पूर्व एआरपी राजीव श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया।

खंड शिक्षा अधिकारी राजकुमार पुरोहित ने शिक्षकों को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना एवं डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) की विस्तृत जानकारी देते हुए इसके लाभ और उद्देश्य पर प्रकाश डाला।अपने संबोधन में दुष्यंत बड़ोनिया ने कहा कि प्रदेश सरकार गांव-गांव तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है और ₹सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास₹ के संकल्प को साकार कर रही है। वहीं दीपक तिवारी ने बेसिक शिक्षा के क्षेत्र में हुए सकारात्मक बदलावों की सराहना करते हुए प्रदेश सरकार की योजनाओं की प्रशंसा की।कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के शिक्षक-शिक्षिकाओं को अतिथियों द्वारा प्रतीकात्मक कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्व एआरपी राजीव श्रीवास्तव, एआरपी मुहम्मद शाहिद खान, जितेंद्र सेन, जमीर, आयुष, राजीव, शिवसहाय, जगदीश परिहार, सुमनलता, भगवत कुशवाहा, प्रियंका सोनी, अवधेश राजा, राजपाल राजा, नीलम, नेहा पुरोहित, सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कच्ची दीवार गिरी दो घायल

बबेरू/बांदा, 09 जुलाई (तरुणमित्र)। कोतवाली क्षेत्र के कुचेन्दू गांव में बुधवार शाम एक कच्ची दीवार गिरने से मां और उसका तीन साल का पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।कुचेन्दू गांव निवासी उमा पत्नी दीपक कुमार उम्र 26 वर्ष अपने तीन वर्षीय पुत्र किशन के साथ बुधवार की शाम बैठी हुई थीं। इसी दौरान अचानक कच्ची दीवार भरभराकर उन पर गिर गई। दीवार के मलबे में दबने से मां-बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। पड़ोसियों और परिजनों ने तुरंत उन्हें मलबे से बाहर निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बबेरू में भर्ती कराया। जहां डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

पाली-घटवार मार्ग पर टूटी पुलिया व जर्जर सड़क से ग्रामीण परेशान, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पाली (ललितपुर), 09 जुलाई (तरुणमित्र)। तहसील पाली के ग्राम ऐरावनी के ग्रामीणों ने पाली उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर पाली-घटवार मार्ग से रामजानकी मंदिर ऐरावनी तक जाने वाली सड़क की बदहाल स्थिति एवं टूटी पुलिया के शीघ्र निर्माण की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क और पुलिया की जर्जर हालत के कारण आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो रहा है तथा किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है।

ज्ञापन के अनुसार पाली-घटवार मार्ग से ग्राम ऐरावनी के लिए जाने वाली लगभग एक किलोमीटर लंबी सड़क पर बनी पुलिया 8 जुलाई 2026 की रात्रि में अत्यधिक वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त होकर टूट गई। पुलिया टूटने से ग्रामीणों का गांव से संपर्क प्रभावित हो गया है और लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि सबसे अधिक दिक्कत स्कूली बच्चों को हो रही है। प्रतिदिन स्कूल आने-जाने वाले विद्यार्थियों को टूटी पुलिया के कारण जोखिम उठाकर निकलना पड़ रहा है। वहीं सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे होने से दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों का निकलना भी मुश्किल हो गया है। ऐसे में दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई है।ग्रामीणों ने ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया है कि यदि समय रहते पुलिया का निर्माण एवं सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो बरसात के मौसम में स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है, जिससे ग्रामीणों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी से मांग की है कि पाली-घटवार तिराहे से रामजानकी मंदिर, ऐरावनी तक की सड़क के गड्ढों को तत्काल भरवाया जाए तथा टूटी पुलिया का शीघ्र निर्माण कराया जाए, ताकि आमजन एवं स्कूली बच्चों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।इस ज्ञापन पर ग्राम ऐरावनी के अनेक ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं, जिन्होंने प्रशासन से जनहित को देखते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

महोबा में आशा संगिनियों का प्रदर्शन, 17 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

महोबा, 09 जुलाई (तरुणमित्र)। अखिल भारतीय आशा कर्मचारी महासंघ, भारतीय मजदूर संघ के आह्वान पर गुरुवार को जनपद महोबा की आशा एवं आशा संगिनियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के उपरांत जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित 17 सूत्रीय मांगपत्र अपर जिलाधिकारी (एडीएम) को सौंपा गया। महासंघ के पदाधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय कार्यसमिति की पुणे (महाराष्ट्र) में आयोजित बैठक में देशभर की आशा कार्यकताओं की लंबित समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई थी। उसी बैठक में सभी जिला मुख्यालयों पर एक साथ प्रदर्शन कर मांगपत्र सौंपने का निर्णय लिया गया, जिसके क्रम में महोबा में भी यह आंदोलन किया गया।

ज्ञापन में कहा गया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत देशभर में 10 लाख से अधिक आशा कार्यकर्ता मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, पोषण, स्वच्छता, जनस्वास्थ्य जागरूकता तथा विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसके बावजूद उन्हें नियमित वेतन के बजाय केवल प्रोत्साहन राशि (इंसेंटिव) के आधार पर कार्य करना पड़ रहा है। आशा संगिनियों ने आरोप लगाया कि वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री द्वारा इंसेंटिव बढ़ाने की घोषणा किए जाने के बावजूद अधिकांश कार्यों का मानदेय आज तक नहीं बढ़ाया गया है, जिससे आशा कर्मियों में गहरा असंतोष है। महासंघ ने अपनी प्रमुख मांगों में आशा कार्यकताओं को नियमित कर्मचारी का दर्जा, सम्मानजनक मासिक वेतन, सामाजिक सुरक्षा, पेंशन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में संविलियन तथा अन्य लंबित सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो आगामी समय में आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में आशा एवं आशा संगिनियां मौजूद रहीं और अपनी मांगों के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की।

अंत में प्रतिनिधिमंडल ने एडीएम को ज्ञापन सौंपकर सरकार तक उनकी मांगें पहुंचाने का आग्रह किया।

शॉर्ट सर्किट से मिठाई की दुकान में लगी आग

सुल्तानपुर घोष/फतेहपुर , 09 जुलाई (तरुणमित्र)। थाना क्षेत्र के अफोई चौराहे स्थित प्रसिद्ध लल्लन स्वीट्स हाउस की दुकान में देर रात शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई। आग लगने से दुकान में रखा फर्नीचर, बिजली के उपकरण तथा अन्य सामान जलकर राख हो गया। जानकारी के अनुसार, रोज की तरह दुकान बंद कर मालिक घर चले गए थे। देर रात दुकान के अंदर अचानक शॉर्ट सर्किट होने से आग भड़क उठी और देखते ही देखते पूरी दुकान उसकी चपेट में आ गई।आग की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते आग बुझा दिए जाने से आसपास की दुकानों तक आग फैलने से रोक लिया गया और एक बड़ा हादसा टल गया घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

रेल विभाग की अहम बैठक में आज शामिल होंगे फतेहपुर सांसद नरेश

फतेहपुर, 09 जुलाई (तरुणमित्र)। फतेहपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद नरेश उत्तम पटेल 10 जुलाई (आज) को प्रयागराज स्थित कान्हा श्याम होटल में आयोजित रेल विभाग की महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक में मुगलसराय से लेकर गाजियाबाद तक के लोकसभा सांसद भाग लेंगे। बैठक का उद्देश्य जनप्रतिनिधियों से रेलवे से संबंधित सुझाव प्राप्त करना तथा क्षेत्रीय जरूरतों के अनुरूप रेल सेवाओं में सुधार की दिशा में चर्चा करना है। जानकारी के अनुसार बैठक में सांसद नरेश उत्तम पटेल फतेहपुर जनपद के रेलवे स्टेशनों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से उठाएंगे। विशेष रूप से खागा रेलवे स्टेशन सहित जिले के अन्य छोटे स्टेशनों के आधुनिकीकरण, यात्री सुविधाओं के विस्तार और आधारभूत ढांचे को बेहतर बनाने की मांग रखी जाएगी। सांसद जिले के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर आवश्यक सुविधाओं के विकास के साथ-साथ छोटे स्टेशनों पर भी यात्रियों के लिए पेयजल, प्रतीक्षालय, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, टिकटिंग और सुरक्षा जैसी सुविधाओं को सुदृढ़ करने का सुझाव देंगे। इसके अलावा क्षेत्रीय जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग के अनुरूप कुछ महत्वपूर्ण यात्री ट्रेनों के ठहराव का मुद्दा भी बैठक में उठाए जाने की संभावना है। गौरतलब है कि फतेहपुर जनपद उत्तर प्रदेश में हावड़ा-दिल्ली मुख्य रेल मार्ग पर स्थित है, जहां फतेहपुर रेलवे स्टेशन प्रमुख स्टेशन है। इसके अतिरिक्त खागा रेलवे स्टेशन और बिंदकी रोड रेलवे स्टेशन जिले के महत्वपूर्ण स्टेशनों में शामिल हैं। वहीं औंग, फैजुल्लापुर, कंसपुर गुगौली, मलवां, कुरस्ती कलां, रमवा, रसूलाबाद और सत नरैनी जैसे छोटे रेलवे स्टेशन भी स्थानीय यात्रियों को रेल सेवाएं उपलब्ध कराते हैं।

क्षेत्रीय लोगों को उम्मीद है कि इस बैठक में उठाए जाने वाले सुझावों के आधार पर फतेहपुर जनपद के रेलवे स्टेशनों के विकास, यात्री सुविधाओं के विस्तार और ट्रेनों के ठहराव से संबंधित मांगों पर रेलवे विभाग सकारात्मक निर्णय लेगा।

मौदहा में नहीं थम रहा है तंबाकू मिश्रित अवैध गुटखा का कारोबार

मौदहा हमीरपुर, 09 जुलाई (तरुणमित्र)। मौदहा कस्बा सहित यहां के ग्रामीण क्षेत्रों में तंबाकू मिश्रित अवैध गुटखा बनाने का कारोबार चरम पर है। कस्बा से लेकर दूरदराज के गांवों में गुटका बनाने की मशीनें गरज रही हैं। लगभग सभी छोटी बड़ी दुकानों में यह गुटखा धड़ल्ले से बिक रहा है। इसके बाद भी अवैध गुटखा के कारोबारियों के खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई न होना निश्चित रूप से बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। बताते चलें कि विगत कई वर्षों से मौदहा कस्बा सहित आसपास के गांवों में सैकड़ों युवा तंबाकू मिश्रित अवैध गुटखा के कारोबार में संलिप्त हैं। अवैध गुटखा बनाने की दर्जनों मशीनें कस्बा सहित दूरदराज के गांवों में लगी हैं।

इन मशीनों में सुपाड़ी की कटिंग और गुटखा के रैपर तैयार करने से लेकर इनकी पैकिंग की जाती है। बड़े पैमाने पर तैयार होने वाला यह गुटखा गांव देहात के गली-कूचों की दुकानों से लेकर आसपास के कस्बों व शहरों की बाजारों में धड़ल्ले से बेंचा जाता है। हालांकि तम्बाकू मिश्रित गुटखा को बनाना पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है। इतना ही नहीं नये शासनादेश के अनुसार तो किसी भी दुकान में गुटखा और तंबाकू एक साथ बेंचना भी अपराध की श्रेणी में रखा गया है। इसके बाद भी यह अवैध कारोबार मौदहा कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्रों में दिन दूना रात चौगुना फलफूल रहा है। आश्चर्य की बात यह है कि अलग-अलग नामों से प्रचलित अवैध गुटखा जिन दुकानों में बिकता है इन्हीं दुकानों के आसपास खुली चाय-नाश्ता की दुकानों और ढाबों में बैठकर तमाम जिम्मेदार अधिकारी भोजन और जलपान करते दिखाई देते हैं।

अग्नि सुरक्षा के तकनीकी पहलुओं का दिया गया प्रशिक्षण

कन्नौज, 09 जुलाई (तरुणमित्र)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत कन्नौज के तत्वावधान में अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग के सहयोग से संचालित पाँच दिवसीय अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय दिवस पर प्रतिभागियों को अग्नि सुरक्षा के व्यवहारिक एवं तकनीकी पहलुओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान मुख्य आरक्षी रूप नारायण सिंह द्वारा प्रतिभागियों को अग्निशमन विभाग में उपयोग होने वाले विभिन्न अग्निशमन उपकरणों, उनके संचालन की विधि तथा विभिन्न प्रकार की आग के अनुसार उपयुक्त अग्निशामक यंत्रों के चयन एवं प्रयोग की जानकारी दी गई।

साथ ही आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय त्वरित एवं सुरक्षित प्रतिक्रिया देने, प्राथमिक स्तर पर आग पर नियंत्रण पाने तथा लोगों को सुरक्षित स्थान पर निकालने की प्रक्रिया का व्यवहारिक प्रदर्शन भी कराया गया।प्रशिक्षण सत्र में प्रतिभागियों को अग्निशमन वाहन में उपलब्ध उपकरणों, अग्निशमन पाइप, नोजल, फोम प्रणाली एवं अन्य सुरक्षा संसाधनों से भी परिचित कराया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि किसी भी आपातकालीन स्थिति में समय पर सही निर्णय एवं प्रारंभिक प्रतिक्रिया अनेक लोगों के जीवन एवं संपत्ति की रक्षा कर सकती है। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को केवल अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव की जानकारी देना ही नहीं, बल्कि उन्हें समाज में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने एवं आपदा की आस्थिति में जिम्मेदार स्वयंसेवक के रूप में कार्य करने हेतु तैयार करना है। प्रशिक्षण में अर्चना कश्यप, शालिनी, ज्योति ठाकुर, अंश शुक्ला, रुद्र प्रताप, लोकेश कुमार, आलोक, अर्पित कुमार, आकाश यादव, विवेक यादव, पीयूष यादव, शालिनी मिश्रा, कमलेश यादव, अनुज शाक्य, गोल्डी, शिवम सक्सेना एवं चांदनी दुबे सहित अन्य प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता की।कार्यक्रम के सफल संचालन में अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहयोग दिया।

वीरांगना रानी अवंती बाई ने देश की रक्षा व आजादी के लिए सर्वस्व न्योछावर किया: मुख्यमंत्री

बांदा में वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की भव्य प्रतिमा का किया अनावरण | वीरों-वीरांगनाओं के बलिदान के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है यह सम्मान

बांदा, 09 जुलाई (तरुणमित्र)। वीरांगना रानी अवंती बाई ने भारत की आन-बान-शान की रक्षा और देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनका बलिदान और त्याग आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज बांदा जिले के कालू कुआं चौराहे पर वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की भव्य प्रतिमा का अनावरण करते हुए अपने संबोधन में यह कहा।मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग तीन वर्ष पहले भी उन्हें बांदा में दो महत्वपूर्ण प्रतिमाओं के अनावरण का अवसर मिला था।

आज वीरांगना अवंती बाई की प्रतिमा के अनावरण से यह गौरवशाली परंपरा आगे बढ़ी है। उन्होंने कहा कि बांदा का सिटी डेवलपमेंट प्लान, विकसित होती सड़कें और अन्य विकास कार्य इस बात का प्रमाण हैं कि योजनाबद्ध विकास किस प्रकार किसी शहर की पहचान बदल सकता है। मुख्यमंत्री ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय पूरे देश में आजादी की प्रबल इच्छा थी। बैरकपुर में मंगल पांडे ने क्रांति की चिंगारी जलाई, मेरठ में धन सिंह गुर्जर ने उसका नेतृत्व किया, कानपुर के बिठूर में तात्या टोपे ने उसे आगे बढ़ाया और झांसी में महारानी लक्ष्मीबाई ने वीरता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। इसी महान परंपरा में वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी ने भी राष्ट्रधर्म को सर्वोपरि मानते हुए मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भले ही वे हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका साहस, संघर्ष और बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। मुख्यमंत्री ने प्रतिमा स्थापना से जुड़े सभी लोगों का अभिनंदन करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में राष्ट्रनायकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की भावना को मजबूत करते हैं। सीएम योगी ने कहा कि कि जब अच्छे नेता चुने जाते हैं, तो महापुरुषों को ऐसे ही सम्मान मिलता है।

यह सम्मान उन नायकों-नायिकाओं और वीरों-वीरांगनाओं के प्रति कृतज्ञता है, जिनके लिए राष्ट्रधर्म ही सर्वोपरि था और उसके लिए बलिदान दिया। इसी परम्परा में वीरांगना अवंती बाई लोधी का नाम भी आता है।

सीएम ने उनकी स्मृतियों को कोटि-कोटि नमन करते हुए विनम्र सम्मान अर्पित किया। इस अवसर पर जलशक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद, पीडब्ल्यूडी के राज्यमंत्री कुंवर बृजेश सिंह, बांदा विधायक प्रकाश द्विवेदी, नरैनी विधायक ओममणि वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष कल्लू राजपूत सहित गणमान्य उपस्थित रहे।

सीएम के हाथों इन्हें मिला सम्मान

1- पुष्पा देवी- आंगनबाड़ी सहायिका नियुक्ति पत्र, 2- पूजा- आंगनबाड़ी सहायिका नियुक्ति पत्र, 3- रश्मि अग्रवाल- सहायक अध्यापिका- मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना, 4- अजीत सिंह- सहायक अध्यापक- मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना,5- मंजू देवी व भारती सिंह- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 8.95 करोड़ से अधिक का चेक,6- सरोज देवी- ई रिक्शा की चाबी, 7- सुमत देवी- सिलाई मशीन, 8- अनिल कुमार- मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत 5 लाख का चेक, 9- मूरतध्वज- ट्रैक्टर की चाबी, 10- मुलायम- आयुष्मान कार्ड,11- अरविंद कुमार- आयुष्मान कार्ड, 12- गेनिया- मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत पांच लाख का चेक, 13- अभिषेक सोनी- मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत 7500 का चेक, 14- अंशु- मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का स्वीकृति पत्र,15- रमेश प्रजापति- मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की चाबी,16- रामरतन- मुख्यमंत्री माटी कला टूल किट्स योजनान्तर्गत विद्युत चालित चाक प्रमाण पत्र,17- वंदना गुप्ता- नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के तहत प्रमाण पत्र, 18- शोभाराम कश्यप- पक्षी बचाओ कार्य के लिए आपदा विभाग की तरफ से प्रमाण पत्र।

फतेहपुर पुलिस में पुलिस उपाधीक्षकों के कार्यक्षेत्र का हुआ पुनर्गठन

फतेहपुर, 09 जुलाई (तरुणमित्र)। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने जनपद में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा पुलिस कार्यों के बेहतर पर्यवेक्षण के उद्देश्य से पुलिस उपाधीक्षकों (सीओ) के कार्यक्षेत्र एवं दायित्वों का पुनर्गठन करते हुए नवीन कार्य आवंटन आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार सभी क्षेत्राधिकारी अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों में पुलिस कार्यों का पर्यवेक्षण एवं संचालन करेंगे। जारी आदेश के अनुसार पुलिस उपाधीक्षक गौरव शर्मा को क्षेत्राधिकारी नगर/लाइन बनाया गया है। उनके अधीन कोतवाली, मलवां, हुसेनगंज एवं साइबर थाना रहेगा। इसके साथ ही जन शिकायत प्रार्थना पत्रों के निस्तारण की निगरानी भी वे करेंगे। उनका मुख्यालय नगर कार्यालय रहेगा। पुलिस उपाधीक्षक रवि प्रकाश राय को क्षेत्राधिकारी खागा का दायित्व सौंपा गया है। वे खागा, धाता, हथगाम, किशनपुर एवं सुल्तानपुर घोष थानों के कार्यों का पर्यवेक्षण करेंगे।

सतना में शुरू हुआ प्रदेश का पहला 'वर्क कैफे' थीम आधारित पोस्ट ऑफिस, युवाओं को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

सतना। मध्य प्रदेश के सतना में डाक सेवाओं को आधुनिक स्वरूप देते हुए इंडिया पोस्ट ने गुरुवार को मेडिकल कॉलेज परिसर में जेन-जी थीम आधारित नेक्स्ट जनरेशन (एन-जेन) पोस्ट ऑफिस का शुभारंभ किया। मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल विनीत माथुर ने इसका उद्घाटन किया। जबलपुर रीजन का यह अपनी तरह का पहला पोस्ट ऑफिस है, जिसे युवाओं की जरूरतों और डिजिटल इंडिया की अवधारणा को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है।पारंपरिक डाकघरों से अलग इस पोस्ट ऑफिस को वर्क कैफे की तर्ज पर तैयार किया गया है। यहां विद्यार्थी, शोधार्थी, मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राएं और आम नागरिक डाक सेवाओं का लाभ लेने के साथ-साथ अध्ययन, ऑनलाइन कार्य और बैठकों के लिए भी आधुनिक सुविधाओं का उपयोग कर सकेंगे।

पोस्ट ऑफिस में निःशुल्क हाई-स्पीड वाई-फाई, आरामदायक बैठने की व्यवस्था, मोबाइल और लैपटॉप चार्जिंग पॉइंट, कॉफी वेंडिंग मशीन, पुस्तकों तथा बोर्ड गेम्स से सुसज्जित बुक कॉर्नर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। डाक विभाग का मानना है कि इससे युवाओं की पोस्ट ऑफिस के प्रति रुचि बढ़ेगी और डाक सेवाओं की उपयोगिता नए स्वरूप में सामने आएगी।मुख्य डाकघर के जनसंपर्क अधिकारी अभिषेक खरे ने बताया कि एन-जेन पोस्ट ऑफिस को 'डू-इट-योरसेल्फ' (डीआईवाई) मॉडल पर विकसित किया गया है। यहां स्थापित सेल्फ-बुकिंग कियोस्क के माध्यम से ग्राहक स्वयं स्पीड पोस्ट, पार्सल और अन्य डाक सेवाओं की बुकिंग कर सकेंगे।

भुगतान के लिए क्यूआर कोड आधारित डिजिटल व्यवस्था भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे पूरी प्रक्रिया अधिक सरल और समयबद्ध होगी।इस पोस्ट ऑफिस में 'माय स्टाम्प' सुविधा भी शुरू की गई है। इसके तहत ग्राहक अपनी पसंद की तस्वीर, परिवार, संस्था या किसी विशेष आयोजन की फोटो के साथ व्यक्तिगत डाक टिकट तैयार करा सकेंगे। यह सुविधा स्मृति चिह्न और विशेष अवसरों के लिए भी उपयोगी होगी।डाक विभाग के अधिकारियों के अनुसार नेक्स्ट जनरेशन पोस्ट ऑफिस का उद्देश्य केवल डाक सेवाएं उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि युवाओं को आधुनिक और डिजिटल सेवाओं से जोड़ना भी है। सतना में शुरू की गई यह पहल भविष्य में प्रदेश के अन्य शहरों के लिए भी मॉडल के रूप में विकसित हो सकती है।

डिलीवरी के बाद महिला की मौत पर निजी क्लीनिक के बाहर हंगामा, उपचार में लापरवाही का आरोप

मंदसौर। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में प्रसव के कुछ दिनों बाद एक महिला की उपचार के दौरान मौत हो जाने पर गुरुवार को नई आबादी स्थित एक निजी क्लीनिक के बाहर परिजनों ने विरोध प्रदर्शन किया। परिजन मृतका का शव लेकर क्लीनिक पहुंचे और चिकित्सक पर उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच एवं कार्रवाई की मांग की।जानकारी के अनुसार रतलाम जिले के बोरवनी निवासी 26 वर्षीय पूजा कुंवर का उपचार नई आबादी स्थित स्पर्श मदर एंड चाइल्ड केयर क्लीनिक में डॉ. रोशनी जैन की देखरेख में चल रहा था। परिजनों के मुताबिक 24 जून को उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां 25 जून को ऑपरेशन के माध्यम से जुड़वा बेटियों का जन्म हुआ। प्रसव के बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी।परिजनों का कहना है कि महिला की हालत गंभीर होने के बावजूद समय पर उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर नहीं किया गया। 26 जून को उन्हें अहमदाबाद भेजा गया, जहां कई दिनों तक उपचार के बाद 8 जुलाई की रात उनकी मौत हो गई। परिजनों का यह भी आरोप है कि उपचार के दौरान चढ़ाए गए रक्त में थक्के (क्लॉट) होने की जानकारी अहमदाबाद के चिकित्सकों ने दी थी, जिससे उनकी स्थिति और गंभीर हो गई।महिला की मौत के बाद परिजनों ने सिटी कोतवाली थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह राठौर को आवेदन देकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा संबंधित चिकित्सक के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह राठौर ने बताया कि मृतका के पति की ओर से उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की जांच की जा रही है और जांच के निष्कर्ष के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, डॉ. रोशनी जैन ने परिजनों के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वह पिछले डेढ़ वर्ष से महिला का उपचार कर रही थीं। प्रसव के दौरान दो स्वस्थ बच्चियों का जन्म हुआ था। डिलीवरी के बाद महिला को पोस्ट पार्टम हेमरेज (पीपीएच) की समस्या हुई, जिसका तत्काल उपचार किया गया।

सागर के सीएनजी प्लांट में गैस रिसाव, बड़ा हादसा टला

सागर। मध्य प्रदेश के सागर के औद्योगिक क्षेत्र चनाटोरिया स्थित मेघा गैस सीएनजी प्लांट में गुरूवार को गैस रिसाव की घटना से क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही प्लांट की तकनीकी टीम ने मौके पर पहुंचकर रिसाव पर नियंत्रण पा लिया, जिससे संभावित बड़ा हादसा टल गया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि या संपत्ति के नुकसान की सूचना नहीं है।घटना के बाद प्लांट की सुरक्षा व्यवस्था और संचालन को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय स्तर पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि प्लांट को केवल सीएनजी के भंडारण और प्रोसेसिंग की अनुमति प्राप्त है, जबकि परिसर से सीधे वाहनों में सीएनजी की खुदरा बिक्री भी की जा रही थी। यह भी दावा किया जा रहा है कि ऐसी खुदरा बिक्री के लिए आवश्यक रिटेल लाइसेंस उपलब्ध नहीं है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

जानकारों का कहना है कि बड़ी मात्रा में ज्वलनशील गैस के भंडारण वाले परिसर में आम लोगों और वाहनों की आवाजाही सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील मानी जाती है। ऐसे में गैस रिसाव जैसी घटना गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन तथा संबंधित विभागों ने संयुक्त जांच शुरू कर दी है। जांच में गैस रिसाव के कारणों, सुरक्षा मानकों के पालन और प्लांट के संचालन संबंधी प्रक्रियाओं की समीक्षा की जाएगी।प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है तो संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी एवं प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने की नगरीय निकायों की समीक्षा, लापरवाही पर दो उपयंत्रियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश

नीमच। मध्य प्रदेश के नीमच जिले में कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने गुरुवार को जिले के समस्त नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों की बैठक ली और नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं तथा विकास कार्यों की निकायवार समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर उपयंत्री अंकित मांझी एवं टेकचंद बुनकर के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।बैठक में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने आगामी माह तक जिले के 1,500 पात्र हितग्राहियों को ऋण वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बैंक एवं नगरीय निकाय आपसी समन्वय से लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करें। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत स्वीकृत आवासों का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने तथा पूर्ण आवासों की जियो-टैगिंग निर्धारित समय-सीमा में कराने के निर्देश भी दिए गए। नगर परिषद डीकेन में निर्मित वाटर बॉडी के कार्य में सक्षम स्वीकृति के बिना भुगतान किए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित प्रकरण की जांच के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने निकायों में संचालित निर्माण कार्यों का नियमित स्थल निरीक्षण करें तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करें। वर्षा ऋतु को देखते हुए उन्होंने जर्जर एवं खतरनाक भवनों का सर्वेक्षण कर नियमानुसार कार्रवाई करने तथा जनहानि की आशंका वाले भवनों को तत्काल खाली कराने एवं आवश्यकतानुसार ध्वस्त करने के निर्देश दिए।

बीपीएल योजना में आठ लाख और बाइक का झांसा देकर ठगे डेढ़ लाख, झांसी से साइबर ठग गिरफ्तार

राजगढ़। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के कालीपीठ थाना पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, बैंक खातों और मोबाइल नंबरों के आधार पर सरकारी योजना के नाम पर साइबर ठगी करने वाले एक आरोपित को उत्तर प्रदेश के झांसी से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से 1.50 लाख रुपए नकद, एक मोबाइल फोन और दो सिम कार्ड जब्त किए हैं।

पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी ने गुरुवार को पुलिस नियंत्रण कक्ष में आयोजित प्रेसवार्ता में खुलासा करते हुए बताया कि ग्राम लहरचा निवासी मुकेश पुत्र इमरत गिर ने शिकायत दर्ज कराई कि वह ड्राइवर है और 5 से 16 जून 2026 तक काम के सिलसिले में टोंक (राजस्थान) गया हुआ था। इसी दौरान उसकी पत्नी मौसमबाई के मोबाइल पर अज्ञात लोगों ने फोन कर खुद को सरकारी योजना से जुड़ा अधिकारी बताया। उन्होंने कहा कि बीपीएल योजना के तहत 8 लाख रुपए और एक पल्सर बाइक मिलेगी। इसके लिए प्रोसेसिंग और अन्य शुल्क के नाम पर अलग-अलग किश्तों में फोनपे और बाद में कालीपीठ स्थित एक कंप्यूटर सेंटर के माध्यम से कुल 1,50,017 रुपए जमा करा लिए। पुलिस ने मामले में अज्ञात के खिलाफ धारा 318(4) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया।विवेचना के दौरान पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी के निर्देशन में गठित टीम ने बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और डिजिटल ट्रांजेक्शन का तकनीकी विश्लेषण किया। जांच में आरोपित की लोकेशन झांसी जिले में मिलने पर पुलिस टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से ग्राम खजराहा निवासी 26 वर्षीय राघवेंद्र पुत्र रामस्वरुप कुशवाहा को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से 1.50 लाख रुपए की नकदी, एक मोबाइल और दो सिम कार्ड बरामद किए। पुलिस अब इस साइबर गिरोह से जुड़े अन्य आरोपितों, फर्जी बैंक खातों और फर्जी सिम उपलब्ध कराने वाले लोगों की तलाश कर रही है।

कुएं में नहाने के दौरान 12 वर्षीय बालिका की डूबने से मौत

राजगढ़। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के कालीपीठ थाना क्षेत्र के धनवासखुर्द गांव में गुरुवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में 12 वर्षीय बालिका की कुएं में डूबने से मौत हो गई।

घटना उस समय हुई, जब वह अपनी सहेलियों के साथ जंगल में बकरियां चराने गई थी। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपकर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार ग्राम हरीपुरा थाना दांगीपुरा निवासी ताराबाई (12) पुत्री रामदयाल तंवर इन दिनों अपने मामा के गांव धनवासखुर्द में रह रही थी। गुरुवार को वह अपनी सहेलियों के साथ बकरियां चराने जंगल गई थी।

इसी दौरान सभी गांव के करणसिंह तंवर के कुएं पर नहाने पहुंचीं। नहाते समय अचानक ताराबाई का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में जा गिरी। सहेलियों के शोर मचाने पर ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे। काफी मशक्कत के बाद बच्ची को कुएं से बाहर निकालकर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस का कहना है कि बालिका कुएं में किन परिस्थितियों में गिरी, इसका स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है। मामले की जांच की जा रही है। हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल है।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपित को आजीवन कारावास

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले की तहसील न्यायालय ब्यावरा की प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश रजनी प्रकाश बाथम ने गुरुवार को 14 वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपित को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।न्यायालय ने आरोपित अल्फेज पुत्र अफजल खान, निवासी नट मोहल्ला, थाना सुठालिया, को बीएनएस की धारा 65(1) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 5(एल)/6 के तहत आजीवन कारावास, जबकि धारा 332(बी) बीएनएस में 10 वर्ष के कठोर कारावास और प्रत्येक धारा में 10-10 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया।जानकारी के अनुसार 4 अगस्त 2025 को नाबालिग के परिजनों ने सुठालिया थाने में बेटी के लापता होने की सूचना दी थी। जांच के दौरान पुलिस ने बालिका को बरामद किया। उसके बयान में सामने आया कि आरोपित, जो उसके भाई का परिचित था, पहले उससे फोन पर बातचीत करता था। बालिका ने आरोप लगाया कि आरोपित ने एक दिन घर पर अकेला पाकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया और शादी का झांसा देने के साथ माता-पिता को जान से मारने की धमकी दी। भय के कारण उसने घटना किसी को नहीं बताई। बाद में आरोपित उसे शादी का झांसा देकर अपने साथ नरसिंहगढ़ ले गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने मेडिकल परीक्षण, डीएनए जांच, घटनास्थल का निरीक्षण, आयु संबंधी दस्तावेज और अन्य साक्ष्य जुटाकर न्यायालय में चालान पेश किया। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने डीएनए रिपोर्ट निगेटिव होने के आधार पर आरोपित को संदेह का लाभ देने की मांग की। हालांकि न्यायालय ने कहा कि पीड़िता द्वारा घटना के तुरंत बाद पुलिस उपनिरीक्षक पूजा राठौर के समक्ष दिए गए बयान की वीडियोग्राफी और न्यायालय में दिए गए उसके बयान में पूर्ण समानता है।

मानपुर के राइस मिल में आग से हजारों क्विंटल धान जलने का दावा

उमरिया। उमरिया जिले के मानपुर क्षेत्र स्थित डी.के. राइस मिल में गुरूवार को भीषण आग लगने के बाद उपार्जित धान के भंडारण और मिलिंग व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। आगजनी की घटना में बड़ी मात्रा में धान जलकर नष्ट होने का दावा किया जा रहा है। वहीं, मामले को लेकर नागरिक आपूर्ति निगम और वेयरहाउस प्रबंधन के अधिकारियों के बयान भी सामने आए हैं।जानकारी के अनुसार, समर्थन मूल्य पर खरीदी गई धान को नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा विभिन्न राइस मिलों में भंडारण के लिए रखा गया था। निर्धारित व्यवस्था के तहत मिलरों को धान की मिलिंग कर चावल वेयरहाउस में जमा कराना था। आरोप है कि मानपुर क्षेत्र के कुछ मिलरों ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया।

बताया जा रहा है कि डी.के. राइस मिल, बस्कुटा द्वारा इस वर्ष भंडारण नहीं किया गया था, लेकिन मिलिंग के लिए 17 लॉट धान का उठाव किया गया। एक लॉट में 433 क्विंटल धान के हिसाब से कुल 7,361 क्विंटल धान उठाया गया था। आग लगने के बाद दावा किया जा रहा है कि मिल परिसर में रखा पूरा धान जलकर नष्ट हो गया।

वेयरहाउस के जिला प्रबंधक लक्ष्मी मरावी ने बताया कि संबंधित मिल द्वारा अब तक एक भी लॉट चावल जमा नहीं कराया गया है।

वहीं, प्रभारी जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम रोहित सिंह बघेल ने बताया कि मुख्यालय के निदेर्शानुसार मिलरों को निर्धारित सुरक्षा राशि जमा करने के बाद धान उठाने की अनुमति दी जाती है। उनके अनुसार डी.के. राइस मिल ने प्रति लॉट निर्धारित राशि के एवज में डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) और चेक जमा किए थे। उन्होंने कहा कि यह जांच की जाएगी कि राशि कब जमा की गई थी। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि संबंधित मिल द्वारा अब तक चावल जमा नहीं कराया गया है। हालांकि विभाग की ओर से लगातार इसके लिए कहा जाता रहा और शासन का कोई भी बकाया नहीं छोड़ा जाएगा, नियमानुसार पूरी राशि की वसूली की जाएगी।

उधर, स्थानीय स्तर पर इस घटना को लेकर उपार्जित धान के प्रबंधन और कथित अनियमितताओं को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। कुछ लोगों ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराए जाने की मांग की है। हालांकि कथित धान घोटाले अथवा अनियमितताओं के आरोपों की आधिकारिक पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है।

संक्षिप्त समाचार

मैहर-कटनी मार्ग पर टायर बदल रही बस में ट्रक ने मारी टक्कर, एक यात्री की मौत, चार घायल

मैहर। मध्य प्रदेश के मैहर जिले में मैहर-कटनी मार्ग पर बुधवार देर रात एक भीषण हादसे में सड़क किनारे टायर बदल रही यात्री बस को पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बस के सामने खड़े यात्री की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि पुलिस ट्रक चालक की तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार, संजय ट्रैवल्स की बस सतना से हैदराबाद जा रही थी। बुधवार रात करीब 11:30 बजे मैहर-कटनी मार्ग पर पोड़ी के पास बस का टायर पंचर हो गया। चालक और स्टाफ बस को सड़क किनारे खड़ा कर टायर बदल रहे थे। इस दौरान अधिकांश यात्री बस से उतरकर सड़क किनारे खड़े थे। इसी बीच पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने बस को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस करीब 10 मीटर तक आगे खिसक गई। इस दौरान बस के सामने खड़ा एक यात्री उसकी चपेट में आ गया और पहिए के नीचे दबने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में चार अन्य यात्री घायल हो गए। मृतक की पहचान नत्थू यादव (32) पुत्र राम सोहावन यादव, निवासी लालपुर, पोस्ट झरी, जिला सतना के रूप में हुई है।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह के निर्देश पर पुलिस बल और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल मैहर भेज दिया। घायलों का उपचार जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के विशेष प्रतिवेदक ने किया आष्टा सांदीपनि स्कूल का निरीक्षण

सीहोर। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के विशेष प्रतिवेदक सुभाष चंद्र ने मध्य प्रदेश के प्रवास के दौरान गुरुवार को सीहोर जिले के आष्टा स्थित सांदीपनि स्कूल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियां देखीं और कक्षाओं, विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय, संगीत कक्ष, कंप्यूटर कक्ष एवं अन्य शैक्षणिक सुविधाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने स्कूल में अध्ययनरत विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति सजग रहना चाहिए। इस दौरान डीपीसी रमेशराम उईके सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित थे।

राजगढ़ में बंद ऋतु के दौरान अवैध मत्स्याखेट पर कार्रवाई, 125 किलो मछली जब्त

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में बंद ऋतु के दौरान अवैध मत्स्याखेट पर अंकुश लगाने के लिए मत्स्य विभाग ने गुरुवार को विभिन्न नदी-नालों और वृहद जलाशयों में विशेष अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान 125 किलोग्राम मछली जब्त की गई। इनमें प्रतिबंधित प्रजाति की 50 किलोग्राम थाई मांगुर मछली को नष्ट किया गया, जबकि 75 किलोग्राम मेजर कार्प मछली की नीलामी कर पांच हजार रुपये शासकीय राजस्व के रूप में जमा कराए गए। मत्स्य विभाग को मिली सूचना के आधार पर मत्स्य निरीक्षक दिनेश कुमार वंदेरिया के नेतृत्व में गठित दल ने लीमाचैहान, सारंगपुर, पचोर, ब्यावरा और राजगढ़ क्षेत्र के नदी-नालों एवं जलाशयों में छापामार कार्रवाई की। विभागीय टीम के पहुंचने की भनक लगते ही अवैध मत्स्याखेट में लगे लोग पकड़ी गई मछलियां छोड़कर मौके से फरार हो गए। इसके बाद विभाग ने जब्त मछलियों को कब्जे में लेकर नियमानुसार कार्रवाई की। गुरूवार को सहायक संचालक मत्स्योद्योग सुनील कुमार शुक्ला ने बताया कि मछलियों के प्रजनन काल को देखते हुए शासन ने 16 जून से 15 अगस्त तक बंद ऋतु घोषित की है। इस अवधि में नदी-नालों तथा उनसे जुड़े वृहद जलाशयों में मत्स्याखेट, मछलियों का परिवहन और क्रय-विक्रय प्रतिबंधित है। इस संबंध में कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा द्वारा भी अधिसूचना जारी की गई है।

श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जैन मंदिर की स्थापना को भव्य शिलान्यास महोत्सव का हुआ आयोजन

मंदसौर। मध्य प्रदेश के मंदसौर में अग्रसेन नगर (विस्तार) में आचार्य विश्वरत्नसागरजी म.सा. की शुभ प्रेरणा से प्रदीप गनेड़ीवाल परिवार के द्वारा प्रदत्त की गयी भूमि पर भव्य श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जिन मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया है।गुरूवार को निर्माण कार्य को प्रारंभ किये जाने हेतु अभिनंदन क्षेत्र के धमार्लुजनों एवं मंदसौर नगर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में मंदिर निर्माण हेतु भव्य शिलान्यास महोत्सव का आयोजन किया गया। आचार्य मुक्तिसागरसूरिश्वरजी म.सा., आचार्य अचल सागरजी म.सा., मुनिराज विरलरत्नजी म.सा., साध्वी शीलरेखा श्रीजी म.सा. की पावन निश्रा में शिलान्यास महोत्सव का आयोजन किया गया।

इस शिलान्यास महोत्सव का आयोजन श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ जैन मंदिर ट्रस्ट अग्रसेन नगर व आराधना भवन जैन संघ नई आबादी के द्वारा किया गया। इस शिलान्यास महोत्सव में शीला पूजन के मुख्य लाभार्थी शांतिलालजी ताराबाई बंबोरिया परिवार के विजय बंबोरिया रहे, उन्होंने कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पधारे राज्यसाा सांसद बंशीलाल गुर्जर के साथ शीलापूजन कर मुख्य लाभार्थी का धर्मलाभ लिया। 8 अन्य लाभार्थी परिवारों ने भी मुख्य लाभार्थी के साथ शीला पूजन किया।इस अवसर पर मंदिर में स्थापित होने वाली जीरावाला पार्श्वनाथ की प्रतिमा के शिलापूजन के लाभार्थी नलवाया परिवार पिपलोन वाला व श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ की प्रतिमा की शिलान्यास के लाभार्थी महेन्द्र कुमार जैन, महेश जैन, दिपेश जैन तहलका परिवार ने भी शीलापूजन किया। यह उल्लेखनीय है कि अग्रसेन नगर में गनेडीवाल परिवार के द्वारा प्रदत्त की गयी 63 बाय 40 लगभग 2800 वर्गफिट भूमि पर श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ (उन्हेल-राज.) की प्रतिकृति की प्रतिमा वाला भव्य जैन मंदिर बनने जा रहा है।

कलेक्टर ने की राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन अभियान की समीक्षा

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में गुरुवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में कलेक्टर डॉ.गिरीश कुमार मिश्रा ने राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन अभियान की समीक्षा की। उन्होंने टीबी मरीजों को बेहतर और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के प्रयासों की जानकारी ली तथा टीबी चैंपियनों के अनुभव भी सुने। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने कहा कि टीबी अब लाइलाज बीमारी नहीं है। समय पर जांच, नियमित उपचार और समाज के सहयोग से इस बीमारी को पूरी तरह समाप्त किया जा सकता है।

उन्होंने राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन अभियान को जनभागीदारी से जोड़ने पर जोर देते हुए सभी विभागों और सामाजिक संगठनों से सक्रिय सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि टीबी को हराकर सामान्य जीवन जी रहे लोगों की प्रेरणादायक कहानियां अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाई जाएं, ताकि बीमारी से जुड़े भ्रम और सामाजिक भेदभाव खत्म हो तथा मरीज बिना झिझक इलाज कराएं। बैठक में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. मनीष कुमार ने स्लाइड प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अभियान की उपलब्धियों, चुनौतियों और विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने टीबी मरीजों की पहचान, उपचार, निक्षय पोषण योजना, संपर्कों की जांच और सामुदायिक सहभागिता की समीक्षा प्रस्तुत की। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि संभावित मरीजों की समय पर जांच सुनिश्चित की जाए, उपचाराधीन मरीजों की नियमित मॉनिटरिंग हो और कोई भी मरीज बीच में दवा न छोड़े। इसके लिए स्वास्थ्य अमले को लगातार फॉलोअप करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने आमजन से अपील की कि यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह या उससे अधिक समय तक लगातार खांसी, बुखार, वजन कम होना, रात में अधिक पसीना आना या बलगम में खून आने जैसे लक्षण दिखाई दें तो इसे नजरअंदाज न करें। निकटतम शासकीय स्वास्थ्य केंद्र पर टीबी की जांच और उपचार पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध है। बैठक में अभियान से जुड़े स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सचिन ने गांगुली को दी बधाई, कहा-आईसीसी हॉल ऑफ फेम में देखकर बेहद खुशी हुई

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने पर उन्हें लगातार बधाइयां मिल रही हैं। क्रिकेट के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और 2011 विश्व कप विजेता ऑलराउंडर युवराज सिंह ने भी गांगुली को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर शुभकामनाएं दीं। गांगुली अपने 54वें जन्मदिन पर आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किए गए। वह यह सम्मान पाने वाले भारत के 12वें और पुरुष वर्ग में 10वें भारतीय क्रिकेटर बने हैं।

सचिन ने खास अंदाज में दी बधाई

सचिन तेंदुलकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, '14 साल की उम्र से हम एक-दूसरे को जानते हैं, इसलिए अब बहुत कम चीजें चौंकाती हैं। यह भी उनमें से एक नहीं थी। बधाई हो सौरव। आपको आईसीसी हॉल ऑफ फेम में देखकर बेहद खुशी हुई।' सचिन के इस संदेश का जवाब देते हुए गांगुली ने लिखा, 'धन्यवाद चैंपियन। आपके साथ उसी सूची में शामिल होना मेरे लिए सबसे बड़ा संतोष है।'

युवराज सिंह ने भी किया सम्मान

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह, जिन्होंने गांगुली की कप्तानी में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरूआत की और सफलता हासिल की, उन्होंने भी अपने पूर्व कप्तान की जमकर तारीफ की। युवराज ने लिखा, 'दादा, आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने पर हार्दिक बधाई। आपने सिर्फ एक टीम नहीं बनाई, बल्कि क्रिकेटरों की पूरी पीढ़ी में आत्मविश्वास पैदा किया। आपकी कप्तानी में खेलना और यादगार पल साझा करना मेरे लिए गर्व की बात है।'

गांगुली ने आईसीसी और जय शाह का जताया आभार

सम्मान की घोषणा के बाद सौरव गांगुली ने आईसीसी और आईसीसी चेयरमैन जय शाह का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, 'आईसीसी और चेयरमैन जय शाह का धन्यवाद। हॉल ऑफ फेम में शामिल होना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। भारत के चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल होना गर्व की बात है और महान खिलाड़ियों की सूची का हिस्सा बनना अविस्मरणीय अनुभव है।'

शानदार रहा गांगुली का अंतरराष्ट्रीय करियर

सौरव गांगुली ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 424 मैच खेले, जिनमें 18,575 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 38 शतक और 107 अर्धशतक लगाए। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 113 मैचों में 7,212 रन, जबकि 311 वनडे मैचों में 11,363 रन दर्ज हैं। शानदार ऑफ-साइड बल्लेबाजी के कारण उन्हें 'गॉड ऑफ ऑफसाइड' के नाम से भी जाना जाता है।

कप्तान के रूप में बदल दी भारतीय क्रिकेट की तस्वीर

गांगुली ने भारतीय टीम की कप्तानी ऐसे दौर में संभाली जब टीम कठिन समय से गुजर रही थी। उन्होंने 196 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत की कप्तानी की, जिसमें टीम को 97 जीत दिलाई।

उनकी कप्तानी में भारत ने 2001 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीती। 2004 में पाकिस्तान में पहली टेस्ट सीरीज अपने नाम की। 2000 आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी के फाइनल और 2003 क्रिकेट विश्व कप के फाइनल तक का सफर तय किया।

इसके अलावा गांगुली को महेंद्र सिंह धोनी, युवराज सिंह, वीरेंद्र सहवाग, हरभजन सिंह, जहीर खान, इरफान पठान और गौतम गंभीर जैसे युवा खिलाड़ियों पर भरोसा जताने का श्रेय भी दिया जाता है।

यही खिलाड़ी आगे चलकर भारत की कई आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाली टीमों की मजबूत नींव बने।

तमिलनाडु प्रीमियर लीग का 4 अगस्त से आगाज, 28 अगस्त को चेन्नई में होगा फाइनल

चेन्नई। तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन ने तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) 2026 के 10वें संस्करण का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया है। टूनामेंट का आगाज 4 अगस्त को नाथम (डिंडीगुल) में होगा, जबकि 28 अगस्त को चेन्नई के एम. ए. चिदंबरम स्टेडियम में फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इस बार प्रतियोगिता को दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। पहला चरण 4 से 15 अगस्त तक नाथम में खेला जाएगा। इसके बाद 16 और 17 अगस्त को विश्राम रहेगा।

दूसरा चरण 18 अगस्त से चेन्नई में शुरू होगा, जहां लीग मुकाबलों के साथ नॉकआउट मैच भी खेले जाएंगे। पूरे टूनामेंट में 22 डबल हेडर (एक दिन में दो मैच) और 10 सिंगल मैच डे होंगे।

पहले दिन होगा डिंडीगुल ड्रैगन्स और तिरुप्पुर तमिझांस का मुकाबला : टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में आईड्रीम तिरुप्पुर तमिझांस का सामना डिंडीगुल ड्रैगन्स से 4 अगस्त को शाम 7:30 बजे नाथम में होगा। लीग चरण में चेपॉक सुपर गिलीज, नेल्लई रॉयल किंग्स, कोवाई किंग्स, मदुरै पैंथर्स, त्रिची ग्रैंड चोलाज, एसकेएम सेलम स्पार्टन्स, डिंडीगुल ड्रैगन्स और आईड्रीम तिरुप्पुर तमिझांस की टीमें खिताब के लिए मुकाबला करेंगी।

दूसरे चरण के मुकाबले 18 अगस्त से चेन्नई में खेले जाएंगे और शीर्ष चार टीमें नॉकआउट चरण में प्रवेश करेंगी। टीएनपीएल का 10वां संस्करण एक बार फिर तमिलनाडु के क्रिकेट प्रशंसकों के लिए रोमांचक मुकाबलों से भरपूर रहने की उम्मीद है।

भारतीय स्पिनर साई किशोर फिर खेलेंगे काउंटी क्रिकेट, ग्लॉस्टरशायर से किया करार

नई दिल्ली। भारत के बाएं हाथ के स्पिनर आर. साई किशोर एक बार फिर इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलते नजर आएंगे। 29 वर्षीय साई किशोर ने ग्लॉस्टरशायर के साथ 2026 काउंटी चैंपियनशिप सीजन के अंतिम छह मुकाबलों के लिए अनुबंध किया है। वह 20 अगस्त से वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ चेल्टनहैम में होने वाले मैच से टीम के साथ जुड़ेंगे। इसके बाद वह डर्बीशायर और मिडिलसेक्स के खिलाफ ब्रिस्टल में तथा डरहम, लंकाशायर और केंट के खिलाफ होने वाले अवे मुकाबलों में भी ग्लॉस्टरशायर का प्रतिनिधित्व करेंगे। साई किशोर ने तमिलनाडु के लिए 54 प्रथम श्रेणी मैचों में 223 विकेट लिए हैं। इस दौरान उन्होंने 14 बार पांच विकेट और 11 बार चार विकेट लेने का कारनामा किया है। इससे पहले वह 2025 में सरे की ओर से काउंटी चैंपियनशिप खेल चुके हैं, जहां उन्होंने डरहम के खिलाफ जीत के दौरान प्रतियोगिता में अपना पहला पांच विकेट हॉल हासिल किया था।

साई किशोर ने क्लब की ओर से जारी बयान में कहा, 'मैं जॉन और ग्लॉस्टरशायर के सभी लोगों का दिल से आभारी हूं जिन्होंने मुझे यह अवसर दिया। ग्लॉस्टरशायर एक समृद्ध इतिहास वाला क्लब है और यहां का शानदार माहौल मुझे बेहद उत्साहित करता है।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं हमेशा इंग्लैंड की परिस्थितियों में अपने खेल को परखना चाहता था। प्रबंधन से बातचीत के बाद मुझे लगा कि यही मेरे लिए सही जगह है। मैं ग्लॉस्टरशायर की जर्सी पहनने, ब्रिस्टल और चेल्टनहैम में प्रशंसकों से मिलने और टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने का इंतजार कर रहा हूं।'

ग्लॉस्टरशायर के मुख्य कोच जॉन लुईस ने कहा, 'हम साई किशोर का टीम में स्वागत करते हुए बेहद उत्साहित हैं। वह एक अनुभवी और साबित खिलाड़ी हैं, जो हमारी टीम को काफी मजबूती देंगे। क्लब अंतिम छह काउंटी चैंपियनशिप मैचों में बेहतर प्रदर्शन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और यह देखना दिलचस्प होगा कि इस चरण में एक विदेशी स्पिनर टीम पर कितना प्रभाव डालता है।' उन्होंने आगे कहा, 'सीजन के इस समय इंग्लैंड की पिचें आमतौर पर स्पिन गेंदबाजी के लिए अनुकूल होती हैं। हमें उम्मीद है कि साई किशोर टीम के लिए अहम योगदान देंगे और सकारात्मक प्रभाव छोड़ेंगे।'

फीफा विश्व कप 2026; मोरक्को से महामुकाबले के लिए तैयार फ्रांस, लगातार तीसरे सेमीफाइनल पर नजर

बोस्टन। फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में मोरक्को से होने वाले हाई-वोल्टेज मुकाबले से पहले फ्रांस ने सोशल मीडिया पर खास अंदाज में तैयारी का संदेश दिया है। फ्रांस की टीम ने विंगर माइकल ओलीसे का शतरंज खेलते हुए वीडियो साझा किया और लिखा, 'खेल शुरू हो चुका है, आज रात मिलते हैं।' इस पोस्ट को मोरक्को के खिलाफ होने वाली रणनीतिक जंग का प्रतीक माना जा रहा है। दिदिएर डेसचैम्प की टीम इस टूर्नामेंट में अब तक शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने सभी पांच मुकाबले जीत चुकी है। ग्रुप चरण में शीर्ष पर रहने के बाद फ्रांस ने नॉकआउट मुकाबलों में स्वीडन और पैराग्वे को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। राउंड ऑफ-16 में पैराग्वे के खिलाफ कप्तान किलियन एमबाप्पे की पेनाल्टी टीम की 1-0 की जीत का निर्णायक क्षण रही। फ्रांस ने टूर्नामेंट में अब तक 13 गोल किए हैं। एमबाप्पे, उस्मान डेम्बेले, माइकल ओलीसे और ब्रैडली बारकोला की आक्रामक तिकड़ी विपक्षी टीमों के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। वहीं, युवा मिडफील्डर डिजायर डुए ने भी अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है।

डेसचैम्प के नाम दर्ज हो सकता है बड़ा रिकॉर्ड : फ्रांस के मुख्य कोच दिदिएर डेसचैम्प इस मुकाबले के साथ फीफा विश्व कप में अपने 25वें मैच में टीम की कोचिंग करेंगे और जर्मनी के दिग्गज हेल्मुट शोन के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। इसके अलावा वह विश्व कप में फ्रांस के कोच के रूप में अपनी 20वीं जीत दर्ज करने से भी सिर्फ एक कदम दूर हैं।

मोरक्को भी शानदार लय में : दूसरी ओर मोरक्को की टीम भी पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरेगी। विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज मोरक्को ने ग्रुप चरण में उपविजेता रहते हुए नॉकआउट में नीदरलैंड्स को पेनाल्टी शूटआउट में हराया और फिर राउंड ऑफ-16 में सह-मेजबान कनाडा को 3-0 से मात दी।

कनाडा के खिलाफ अज्जेदीन औनाही ने दो गोल किए, जबकि सौफियान रहीमी ने एक गोल दागा। मोरक्को जनवरी में हुए अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के फाइनल के बाद से लगातार 10 मैचों में अजेय है। हालांकि फ्रांस के खिलाफ खेले गए पिछले छह मुकाबलों में उसे अब तक एक भी जीत नहीं मिली है। दोनों टीमों की पिछली प्रतिस्पर्धी भिड़ंत फीफा विश्व कप 2022 के सेमीफाइनल में हुई थी, जिसमें फ्रांस ने 2-0 से जीत दर्ज की थी।

अर्थव्यवस्था

केंद्र ने इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के प्रमुख कलपुर्जों पर मूल सीमा शुल्क माफ किया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने स्मार्टफोन, लैपटॉप, वियरेबल्स (स्मार्टवॉच, फिटनेस बैंड) और स्मार्ट टीवी जैसे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज बनाने में इस्तेमाल होने वाले सामान से बेसिक कस्टम ड्यूटी (बीसीडी) हटा दी है। यह छूट 31 मार्च, 2029 तक लागू रहेगी, जो गुरुवार से प्रभावी हो गई है। वित्त मंत्रालय ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में इस्तेमाल होने वाले इन तीन प्रमुख कलपुर्जों के विनिर्माण में उपयोग होने वाले सामान पर मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) छूट लागू करने के लिए तीन अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी की हैं। अधिसूचना के मुताबिक सरकार ने देश में घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण को बढ़ावा देने और आयात निर्भरता कम करने के लिए डिस्प्ले असेंबली, लिथियम-आयन सेल और इंडक्टर कॉयल मॉड्यूल के निर्माण में उपयोग होने वाले सामान पर मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) माफ कर दिया है।

मंत्रालय के मुताबिक सरकार ने यह कदम स्मार्टफोन, लैपटॉप, वियरेबल्स और स्मार्ट टीवी जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उठाया है। यह छूट उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासों के अनुरूप है।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड का आईपीओ 14 जुलाई को खुलेगा, प्राइस बैंड 545-574 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े लेंडर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की सब्सिडियरी एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड (एसबीआईएफएमएल) का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 14 जुलाई को खुलेगा। निवेशक इसमें निवेश के लिए 16 जुलाई तक बोली लगा सकते हैं।

इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 545-574 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने गुरुवार को प्रेसवार्ता में बताया कि एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड का आईपीओ 14 जुलाई, को खुलेगा और 16 जुलाई को बंद होगा। एंकर निवेश 13 जुलाई को इसमें निवेश के लिए बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 398-419 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इसके शेयर 21 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होने की उम्मीद है।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड का 1 रुपये फेस वैल्यू वाला ये इश्यू पूरी तरह से 20 करोड़ से ज्यादा शेयरों का 'ऑफर फॉर सेल' (ओएफएस) है, जिसमें इक्विटी का कोई नया इश्यू नहीं है। निवेशक इसमें निवेश करने के लिए कम से कम 26 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं और उसके बाद 26 इक्विटी शेयरों के मल्टीपल में बोली लगा सकते हैं। कंपनी की योजना इस इश्यू के जरिए 11,963 करोड़ रुपये जुटाने की है। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड का ये ऑफर बुक-बिल्डिंग प्रोसेस के जरिए किया जा रहा है, जिसमें नेट ऑफर का 50 फीसदी से ज्यादा हिस्सा योग्य संस्थागत खरीदार (क्यूआईबी) के लिए रखे हैं, जबकि गैर-संस्थागत निवेशक (एनआईआई) के लिए कम से कम 15 फीसदी और खुदरा निवेशकों के लिए कम से कम 35 फीसदी हिस्सा आरक्षित है। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड देश की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी है।

ये स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की सब्सिडियरी कंपनी है। इस कंपनी को 1993 में एसबीआई म्यूचुअल फंड के लिए एसेट मैनेजमेंट का काम करने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी से मंजूरी मिली।

एडीबी ने 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6.60 फीसदी किया

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के बाद अब एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा कीमतों में संभावित बढ़ोतरी के मद्देनजर चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान 6.90 प्रतिशत से घटाकर 6.60 फीसदी कर दिया है। एडीबी ने गुरुवार को जारी एशियाई विकास परिदृश्य (एडीओ) जुलाई 2026 रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए घटाकर 6.6 फीसदी किया गया है। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2027-28 के लिए इसे 7.3 फीसदी पर बरकरार रखा गया है। हालांकि, आर्थिक वृद्धि दर में इस कमी के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। एशियाई विकास बैंक की रिपोर्ट में कहा गया, "चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान अप्रैल में लगाए गए 6.9 फीसदी से घटाया गया है क्योंकि ऊर्जा की ऊंची कीमतों से वास्तविक आय पर दबाव पड़ रहा है।" इस रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2027-28 के लिए आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को अप्रैल के स्तर पर ही रखा गया है।

रिपोर्ट में कहा गया कि बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और मौसम संबंधी कारणों से कृषि क्षेत्र में संभावित कमजोरी जैसे जोखिम बने हुए हैं। एशियाई विकास बैंक की रिपोर्ट में महंगाई (मुद्रास्फीति) के अनुमान को अप्रैल के 4.5 फीसदी से बढ़ाकर 5.2 फीसदी कर दिया गया है। हालांकि, वित्त वर्ष 2027-28 के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान चार फीसदी पर बरकरार रखा गया है।

भारत बना वैश्विक खेल आयोजनों का पसंदीदा केंद्र, दो वर्षों में की 36 अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की सफल मेजबानी : डॉ. मंडाविया

नई दिल्ली। भारत राष्ट्रमंडल खेल 2030 (कॉमनवेल्थ गेम्स) की मेजबानी की तैयारियों को तेज करने और ओलंपिक एवं पैरालंपिक 2036 की मेजबानी की अपनी दावेदारी को मजबूत करने के साथ-साथ दुनिया के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के पसंदीदा केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है।

भारत ने जनवरी, 2025 से जून, 2026 के बीच देश के 15 से अधिक शहरों में 36 अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया। इन आयोजनों ने न केवल भारत के विश्वस्तरीय खेल बुनियादी ढांचे को प्रदर्शित किया, बल्कि विभिन्न ओलंपिक और गैर-ओलंपिक खेलों की मेजबानी में देश की बढ़ती संगठनात्मक क्षमता को भी साबित किया। इन प्रतियोगिताओं में विश्व चैंपियनशिप, एशियाई चैंपियनशिप, विश्व कप, अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग टूर्नामेंट और महाद्वीपीय क्वालीफायर शामिल रहे। इनमें एथलेटिक्स, हॉकी, बैडमिंटन, निशानेबाजी, मुक्केबाजी, टेबल टेनिस, फुटबॉल, एक्वेटिक्स, पैरा स्पोर्ट्स, शतरंज, साइक्लिंग, फेंसिंग, वॉलीबॉल, रग्बी, सर्फिंग सहित कई खेल शामिल थे। इनमें से कई प्रतियोगिताएं भारत में पहली बार आयोजित हुईं और भारतीय खिलाड़ियों ने घरेलू मैदान पर कई ऐतिहासिक और रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन भी किए। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'भारत में अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं की मेजबानी हमारे खेल पारिस्थितिकी तंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुकी है। इससे न केवल देश की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ती है, बल्कि भारतीय खिलाड़ियों को उच्चस्तरीय प्रतिस्पर्धा का अवसर भी मिलता है। विदेशी दौरों पर होने वाला खर्च कम होता है, अधिकारियों और स्वयंसेवकों की तकनीकी दक्षता बढ़ती है तथा विभिन्न शहरों में खेल अवसंरचना और आयोजन क्षमता का स्थायी विकास होता है।'

भारत में 2028 तक 29 और अंतरराष्ट्रीय आयोजन प्रस्तावित

उन्होंने आगे कहा, 'हम 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहे हैं और 2036 ओलंपिक की दावेदारी पेश कर रहे हैं। ऐसे में 15 शहरों में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी से मिला अनुभव हमारी क्षमताओं को और मजबूत करेगा।'

2026 के शेष महीनों में 11 और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं

जुलाई से दिसंबर, 2026 के बीच भारत में 11 और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इनमें प्रमुख रूप से–राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियनशिप, विश्व स्नूकर चैंपियनशिप,पैरा तीरंदाजी एशिया कप, वर्ल्ड सर्फ लीग प्रतियोगिताएं, एशियाई जूनियर शतरंज चैंपियनशिप अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन, फुटबॉल और रग्बी प्रतियोगिताएं शामिल हैं।

2027 और 2028 के लिए भी तैयार है बड़ा खेल कैलेंडर

भारत ने 2027 और 2028 के दौरान आयोजित होने वाली 19 प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी के अधिकार भी हासिल कर लिए हैं। इनमें विश्व इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2028 (भुवनेश्वर), आईएसएसएफ विश्व कप, एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप, एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप, एफआईएच प्रो लीग का घरेलू चरण, अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिताएं, वर्ल्ड सर्फ लीग, टेबल टेनिस और पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं शामिल हैं। इसके अलावा कई राष्ट्रीय खेल महासंघ भविष्य में और अधिक एशियाई तथा विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए बोली लगाने की प्रक्रिया में जुटे हुए हैं।

देश के कई शहर बन रहे अंतरराष्ट्रीय खेल केंद्र

नई दिल्ली, अहमदाबाद, भुवनेश्वर, चेन्नई, गोवा, गुवाहाटी, राजगीर, पटना, हैदराबाद, पुणे, लखनऊ और महाबलीपुरम जैसे शहर लगातार अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के प्रमुख केंद्र बनते जा रहे हैं।

भारत 2025 से 2028 के बीच 65 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की पुष्टि के साथ यह साबित कर रहा है कि वह 2030 राष्ट्रमंडल खेलों और 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। यह देश की क्षमता, दूरदृष्टि और वैश्विक खेल महाशक्ति बनने की दिशा में मजबूत कदम माना जा रहा है।